■ भाद्रपद कृष्ण - 30 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 42 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » मंगलवार » 03-09-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

# दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 आपराधिक कृत्यों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो लेकिन इसे सांप्रदायिक रंग नहीं देना चाहिए : नकवी

6 डिजिटल युग के अपराधों पर कैसे लगे लगाम?

7 मुझे इंदिरा गांधी के जीवन से मिला सबसे बड़ा सबक है : कंगना रनौत

## फर्स्ट टेक

### आन्ध्र, कर्नाटक के मुख्य सचिवों, डीजीपी को मानवाधिकार नोटिस

**नई दिल्ली/एजेन्सी।** राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने आंध्र प्रदेश के कृष्णा जिले में एक गर्ल्स कॉलेज तथा कर्नाटक के बंगलुरु में एक भोजनालय के शौचालयों में छिपे हुए कैमरे पाए जाने की कथित घटनाओं को लेकर दोनों राज्यों के मुख्य सचिवों तथा पुलिस महानिदेशकों को नोटिस जारी कर दो सप्ताह को भीतर विस्तृत रिपोर्ट और उनसे अधिकारियों द्वारा उठाए गए, प्रस्तावित कदमों तथा एफआईआर स्थिति की भी रिपोर्ट मांगी है। जारी विज्ञप्ति के अनुसार आयोग ने मीडिया की रिपोर्ट पर स्वत: संज्ञान लेते हुये यह नोटिस भेजा है।

### भाजपा ने जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए चौथी सूची जारी की

**नई दिल्ली/एजेन्सी।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए सोमवार को चौथी सूची में छह उम्मीदवार के नाम घोषित किये। पार्टी के महासचिव अरुण सिंह यहां एक विज्ञप्ति में बताया कि पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने इन नामों को स्वीकृति दी है। भाजपा ने श्रीनगर की लाल चौक विधानसभा सीट से इंजीनियर ऐजाज़ हुसैन, ईदगाह से आरिफ रज़ा, खानसाहिब से डॉ अली मोहम्मद मीर, चरारे शरीफ से ज़ाहिद हुसैन को टिकट दिया है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रविन्दर रैना को नौशेरा से तथा राजौरी (सु) से विबोध गुप्ता को उतारा गया है। भाजपा 90 सीटों वाली जम्मू-कश्मीर विधानसभा के चुनाव में 45 उम्मीदवार पहले घोषित कर चुकी है। इस सूची के बाद 51 उम्मीदवार घोषित हो गए हैं।

### आईसीसी के गिरफ्तारी वारंट के बीच पुतिन पहुंचे मंगोलिया

**मास्को/एपी।** रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन सोमवार को मंगोलिया पहुंचे। मंगोलिया अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय (आईसीसी) का सदस्य है और इस न्यायालय ने पुतिन के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर रखा है। इस सरकारी यात्रा के दौरान पुतिन मंगलवार को मंगोलियाई नेता उखना खुरेलसुख के साथ भेंट करने वाले हैं। करीब 18 महीने पहले आईसीसी से गिरफ्तारी वारंट जारी होने के बाद पुतिन की किसी आईसीसी सदस्य देश की यह पहली यात्रा है। आईसीसी ने यूक्रेन में संदिग्ध युद्ध अपराध को लेकर पुतिन के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। यूक्रेन ने मंगोलिया से पुतिन को गिरफ्तार कर उन्हें हेग में अदालत को सुपुर्द करने की मांग की है।

| | |
|---|---|
| 03-09-2024 सूर्यास्त 6:29 बजे | 04-09-2024 सूर्योदय 6:08 बजे |
| BSE 82,559.84 (+194.07) | NSE 25,278.70 (+42.80) |
| सोना 7,531 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम | चांदी 86,409 रु. प्रति किलो |

## हम सत्ताधारियों का जुल्म सहकर यहां तक पहुंचे हैं: मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/एजेन्सी।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 'संगठन पर्व, सदस्यता अभियान 2024' की शुरुआत पर कहा कि हमारे कार्यकर्ताओं के लिए कहा जाता था कि उसका एक पैर रेल में और दूसरा जेल में होता है। हम सत्ताधारियों का जुल्म सहकर यहां तक पहुंचे हैं।

मोदी ने सोमवार को यहां भाजपा मुख्यालय में सबसे पहले पार्टी की सदस्यता लेकर भाजपा के 'संगठन पर्व, सदस्यता अभियान 2024' की शुरुआत की। इसके बाद भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत भाजपा के तमाम बड़े नेताओं ने फिर से पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

इस अवसर पर मोदी ने कहा कि आज सदस्यता अभियान का एक और दौर प्रारंभ हो रहा है। भारतीय जनसंघ से लेकर अब तक हमने देश में एक नई राजनीतिक संस्कृति लाने का भरसक प्रयास किया है। उन्होंने विपक्षी दलों पर हमला बोलते हुए कहा, जब तक जिस संगठन के माध्यम से या जिस राजनीतिक दल के माध्यम से देश की जनता सत्ता सुपुर्द करती है, वो ईकाई, संगठन और वो दल, अगर लोकतांत्रिक मूल्यों को नहीं जीता है, आंतरिक लोकतंत्र निरंतर उसमें पनपता नहीं है, तो वैसी स्थिति बनती है, जो आज देश में कई दलों को हम देख रहे हैं। भाजपा एक मात्र दल है, जो अपनी पार्टी के संविधान के अनुसार अक्षरश: लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं का पालन करते हुए अपने कार्य का विस्तार कर रहा है और जन-सामान्य की आशा, आकांक्षाओं पर खरा उतरने के लिए अपने आप को निरंतर योग्य बनाते रहता है।

प्रधानमंत्री ने कहा, मैं जब राजनीति में नहीं था, तो जनसंघ के जमाने में बढ़े उत्साह के साथ कार्यकर्ता दीवारों पर दीपक पेंट करते थे, तो कई राजनीतिक दल के नेता अपने भाषणों में मजाक उड़ाते थे कि दीवारों पर दीपक पेंट करने से सत्ता के गलियारों तक नहीं पहुंचा जा सकता है। हम वो लोग हैं, जिन्होंने श्रद्धा से दीवारों पर कमल पेंट किया, क्योंकि विश्वास था कि दीवारों पर पेंट किया कमल कभी न कभी तो दिलों पर भी पेंट हो जाएगा।

■ मोदी ने भाजपा मुख्यालय में सबसे पहले पार्टी की सदस्यता लेकर भाजपा के 'संगठन पर्व, सदस्यता अभियान 2024' की शुरुआत की।

### जो राजनीतिक दल लोकतांत्रिक मूल्यों को नहीं जीता, उसमें आंतरिक लोकतंत्र नहीं पनपता है

**नई दिल्ली/भाषा।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए सोमवार को कहा कि जो पार्टियां लोकतांत्रिक मूल्यों को नहीं जीती हैं, उनमें आंतरिक लोकतंत्र नहीं पनपता है और उनकी क्या स्थिति होती है, यह देश के कई दलों में देखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ही एकमात्र दल है जो अपनी पार्टी के संविधान के अनुसार अक्षरश: लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं का पालन करते हुए अपने कार्य का विस्तार कर रहा है। भाजपा के सदस्यता अभियान की शुरुआत करते हुए उन्होंने कहा, ''यह सदस्यता अभियान सिर्फ एक अनुष्ठान नहीं है। यह हमारे परिवार का विस्तार है ... यह संख्या का खेल नहीं है।

## देश के विकास में सहकारी क्षेत्र का योगदान अद्वितीय है : राष्ट्रपति मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**पुणे/भाषा।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने महाराष्ट्र के कोल्हापुर में एक समारोह के संबोधित करते हुये कहा कि देश के विकास में सहकारी क्षेत्र का योगदान अतुलनीय है ।

पश्चिम महाराष्ट्र के शहर वारणानगर में श्री वारणा महिला सहकारी समूह के स्वर्ण जयंती समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, व्यापार और उद्यमिता ने आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है, लेकिन देश के विकास में सहकारी क्षेत्र की भूमिका अतुलनीय है।

मुर्मू ने कहा कि सहकारिता समाज में निहित शक्ति का बेहतर उपयोग करने का सर्वोत्तम माध्यम है। उन्होंने कहा, सहकारिता के सिद्धांत संविधान में परिकल्पित न्याय, एकता और भाईचारे की भावना के अनुरूप हैं। जब अलग-अलग वर्गों और विचारधाराओं के लोग सहकार के लिए एकजुट होते हैं, तो उन्हें सामाजिक विविधता का लाभ मिलता है।

मुर्मू ने कहा कि देश के आर्थिक विकास में सहकारी समितियों ने अपनी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है तथा अमूल और लिज्जत पापड़ जैसे घरेलू ब्रांड ऐसी सहकारी समितियों के ही उदाहरण हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि सहकारी समूहों ने भारत को विश्व का सबसे बड़ा दूध उत्पादक बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि ऐसी सहकारी समितियां लगभग सभी राज्यों में दूध और दूध उत्पादों का उत्पादन और वितरण करती हैं। उन्होंने ने कहा कि सहकारी संस्थाएं केवल दूध ही नहीं, बल्कि उर्वरक, कपास, हथकरघा, आवास, खाद्य तेल और चीनी जैसे क्षेत्रों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

मुर्मू ने कहा, लेकिन तेजी से बदलते इस समय में उन्हें खुद को बदलने की जरूरत है। उन्हें जितना संभव हो सके प्रौद्योगिकी का उपयोग करना चाहिए और प्रबंधन को और अधिक पेशेवर बनाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि कई सहकारी समितियां पूंजी व संसाधनों की कमी, शासन व प्रबंधन एवं कम भागीदारी जैसी समस्याओं का सामना कर रही हैं और अधिक से अधिक युवाओं को सहकारिता से जोड़ना इस दिशा में महत्वपूर्ण हो सकता है।

### बाड़मेर में वायुसेना का लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त, पायलट सुरक्षित

**जयपुर/भाषा।** राजस्थान के बाड़मेर जिले में सोमवार रात भारतीय वायुसेना का एक लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक नरेन्द्र मीणा ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, पायलट सुरक्षित है। वायुसेना ने बताया कि बाड़मेर में नियमित रात्रि प्रशिक्षण मिशन के दौरान मिग-29 जेट विमान में गंभीर तकनीकी खराबी आ गई थी। पुलिस अधीक्षक ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, विमान आज रात बाड़मेर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह घटना आबादी वाले इलाके से दूर हुई। उन्होंने बताया कि अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि दुर्गम इलाका होने के कारण दमकल की गाड़ियां दुर्घटनास्थल तक नहीं पहुंच पाई हैं। वायुसेना ने दुर्घटना की जांच के आदेश दिए हैं।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा

## वैकल्पिक ईंधन वाले वाहन पर जीएसटी घटाकर 12 प्रतिशत करने पर हो विचार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को कहा कि राज्य के वित्त मंत्रियों को 'फ्लेक्स-फ्यूल' वाहनों पर माल एवं सेवा कर (जीएसटी) को घटाकर 12 प्रतिशत करने पर विचार करना चाहिए।

'फ्लेक्स फ्यूल' वाले वाहन से आशय ऐसी गाड़ियों से हैं जो एक से अधिक ईंधन पर चलती हैं। सामान्य तौर पर ये वाहन पेट्रोल के अलावा एथनॉल या मेथनॉल मिश्रित पेट्रोल पर भी चलते हैं।

गडकरी ने आईएफजीई के इंडिया बायो-एनर्जी एंड टेक एक्सपो को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि कच्चे तेल के आयात को कम करने और जैव ईंधन के उपयोग को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, ''हमें विभिन्न राज्यों के वित्त मंत्रियों से समर्थन की जरूरत है। केंद्रीय वित्त मंत्री ने मुझे आश्वस्त किया है कि वह इस बारे में सभी राज्यों के वित्त मंत्रियों से बातचीत करेंगी।''

गडकरी ने कहा, ''मैंने महाराष्ट्र के वित्त मंत्री से बैठक में भाग लेने और फ्लेक्स-फ्यूल इंजन कारों पर जीएसटी में कटौती का प्रस्ताव रखने को कहा है।''

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से 'फ्लेक्स-फ्यूल' वाहनों पर कर कम करने पर विचार करने का अनुरोध किया था।

महाराष्ट्र के वित्त मंत्री अजित पवार के साथ एक अलग बैठक में, गडकरी ने उन्हें इस मुद्दे पर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ जीएसटी बैठक में भाग लेने का सुझाव दिया।

वर्तमान में, हाइब्रिड सहित पेट्रोल इंजन वाले वाहनों पर 28 प्रतिशत और इलेक्ट्रिक वाहनों पर पांच प्रतिशत जीएसटी लगाया जाता है।

## कर्नाटक के मुख्यमंत्री का पद खाली नहीं : शिवकुमार

### सिद्दरामय्या संभालते रहेंगे मुख्यमंत्री का पद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**बेंगलूरु/भाषा।** कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने सोमवार को कहा कि राज्य में मुख्यमंत्री का पद खाली नहीं है, और सिद्दरामय्या इस पद पर बने रहेंगे। वह वरिष्ठ कांग्रेस विधायक एवं प्रशासनिक सुधार आयोग के अध्यक्ष आर वी देशपांडे की एक दिन पहले की गई उस टिप्पणी पर प्रतिक्रिया दे रहे थे, जिसमें उन्होंने अगला मुख्यमंत्री बनने की इच्छा जताई थी।

शिवकुमार ने कहा, ''मुख्यमंत्री का पद खाली नहीं है। सिद्दरामय्या के नेतृत्व में हमारी सरकार चल रही है। अगर मुख्यमंत्री का पद खाली होता तो हम इस पर बात कर सकते थे। मौजूदा मुख्यमंत्री पद पर बने रहेंगे।''

कांग्रेस की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष शिवकुमार ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''उनके (देशपांडे) द्वारा पद की इच्छा जताने में कुछ भी गलत नहीं है, लेकिन ऐसी इच्छाएं मीडिया के सामने व्यक्त नहीं की जानी चाहिए। वह वरिष्ठ नेता हैं, हम उनका सम्मान करते हैं।''

मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) मामले में प्रतिकूल फैसला आने पर पार्टी के कदम के बारे में पूछे जाने पर उपमुख्यमंत्री ने कहा, ''कोई प्रतिकूल फैसला नहीं है, मुख्यमंत्री (सिद्दरामय्या) पद पर बने रहेंगे।''

## स्थापना की 100वीं वर्षगांठ के करीब पहुंच रहे आरएसएस ने 'राष्ट्र प्रथम' के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**पलक्कड़ (केरल)/भाषा।** अपनी स्थापना की 100वीं वर्षगांठ पूरी करने जा रहे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने सोमवार को कहा कि वह अपने मूल सिद्धांत 'राष्ट्र प्रथम' के प्रति निरंतर प्रतिबद्ध रहा है।

आरएसएस के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने सोमवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में उस सवाल के जवाब में यह बात कही, जिसमें पूछा गया था कि क्या भाजपा सहित संघ-प्रेरित अन्य संगठनों के बीच समन्वय की कमी है। उन्होंने कहा, ''आरएसएस (2025 में) 100वीं वर्षगांठ पूरी करने जा रहा है। इसलिए यह एक लंबी यात्रा है।'' आंबेकर ने कहा कि इस यात्रा में एक चीज जो निरंतर बनी रही, वह है 'राष्ट्र प्रथम' के प्रति प्रतिबद्धता।

आरएसएस से प्रेरित संगठनों की यहां तीन दिवसीय राष्ट्रीय समन्वय बैठक के समापन के बाद उन्होंने कहा, ''यह हमारा दृष्टिकोण रहा है और प्रत्येक स्वयंसेवक ने इसमें विश्वास किया है।''

आंबेकर ने कहा कि एक लंबी यात्रा में, कामकाज से संबंधित मामले अनिवार्य रूप से सामने आते हैं, लेकिन संगठन के पास इन मुद्दों को हल करने के लिए एक तंत्र है।

आंबेकर से लोकसभा चुनाव के प्रचार के दौरान भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा की ओर से दिये गए उस बयान के बारे में भी पूछा गया जिसमें उन्होंने कहा था कि पार्टी उस दौर से काफी आगे निकल चुकी है, जब उसे आरएसएस की जरूरत थी और अब वह अपना काम खुद संभालने में सक्षम है। इसके जवाब में आंबेकर ने कहा, ''अन्य मुद्दों का समाधान किया जायेगा। यह पारिवारिक मामला है।'' यह पूछे जाने पर कि क्या परिवार में सब कुछ ठीक है, उन्होंने जवाब दिया, ''बिल्कुल।''

### तमिलनाडु में धर्मांतरण गतिविधियां 'चिंताजनक', गंभीरता से लिया जाएगा : संघ

**पलक्कड़/भाषा।** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के एक राष्ट्रीय समन्वय सम्मेलन में तमिलनाडु में मिशनरियों द्वारा धर्मांतरण गतिविधियां चलाने का आरोप लगाया गया है, तथा कहा गया है कि इन्हें गंभीरता से लिया जाएगा। इन गतिविधियों को 'बहुत चिंताजनक' करार देते हुए आरएसएस के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सोमवार को समाप्त हुई तीन दिवसीय समन्वय बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा की गयी। उन्होंने कहा कि जमीनी स्तर पर और जानकारियां जुटायी जायेंगी।

'वित्तीय अनियमितताओं' में

## आरजी कर कॉलेज एवं अस्पताल के पूर्व प्राचार्य को सीबीआई ने किया गिरफ्तार

**कोलकाता/भाषा।** केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने आरजी कर कॉलेज एवं अस्पताल के पूर्व प्राचार्य संदीप घोष को इस संस्थान में कथित वित्तीय कदाचार के सिलसिले में सोमवार को गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। आरजी कर अस्पताल की एक प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ कथित बलात्कार और हत्या के मामले में घोष से सीबीआई के साल्ट लेक कार्यालय में 15वें दिन भी पूछताछ की गई। बाद में उन्हें यहां सीबीआई के निजाम पैलेस कार्यालय ले जाया गया, जहां एजेंसी की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा का दफ्तर है। वहां उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। आरजी कर अस्पताल की वीभत्स घटना के बाद के परिदृश्य में यह दूसरी गिरफ्तारी हुई है। इस अस्पताल में यह घटना 24 दिन पहले हुई थी। पहले, कोलकाता पुलिस के स्वयंसेवक संजय रॉय को प्रशिक्षु डॉक्टर की कथित बलात्कार के बाद हत्या के सिलसिले में कोलकाता पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया था और उसे सीबीआई के हवाले कर दिया गया था। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने आरजी कर अस्पताल में कथित विनियमितताओं की जांच राज्य द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) के हाथों से लेकर सीबीआई को सौंप दी थी।

### 'कैश फॉर वोट' मामले में रेवंत रेड्डी को उच्चतम न्यायालय का नोटिस

**नई दिल्ली/एजेन्सी।** उच्चतम न्यायालय ने तेलंगाना में 2015 के कथित 'कैश फॉर वोट' घोटाला मामले में तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को सार्वजनिक बयान देने में कुछ संयम बरतने की नसीहत देते हुए सोमवार को नोटिस जारी कर दो हफ्ते में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति बी. आर. गवई और न्यायमूर्ति के. वी. विश्वनाथन की पीठ ने भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के विधायक गुंटाकंडला जगदीश रेड्डी और तीन अन्य की याचिका पर कांग्रेस नेता रेड्डी के अलावा अन्य आरोपियों से दो सप्ताह के भीतर जवाब देने को कहा। बीआरएस नेता और अन्य की याचिका में मुकदमे को स्थानांतरित करने की मांग करते हुए कहा गया है कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री के पास गृह मंत्रालय का भी प्रभार है और वह इस मामले में सार्वजनिक रूप से बयान दे रहे हैं।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

### शीघ्र न्याय

निर्भया बेटियां तब होगी,
दण्डित होंगे जब व्यभिचारी।
न्यायालय देंगे शीघ्र न्याय,
अड़चन ना होगी सरकारी।
वे बने शक्तिरूपा चण्डी,
लक्ष्मीबाई सम प्रतिकारी।
होवे समाज में नैतिक बल,
सम्मानित होवे हर नारी।।

# आंध्रप्रदेश : बाढ़ से बेहाल विजयवाड़ा में भोजन, दूध के लिए करनी पड़ रही जद्दोजहद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**विजयवाड़ा/भाषा।** आंध्र प्रदेश के बाढ़ प्रभावित क्षेत्र विजयवाड़ा में सोमवार को कई लोगों को दूध और भोजन के पैकेट के लिए संघर्ष करना पड़ा। इतना ही नहीं, लोगों ने पिछले तीन दिन से हो रही परेशानियों के लिए सरकार की कथित उदासीनता को लेकर शिकायत भी की।

पिछले तीन दिन में हुई अभूतपूर्व मूसलाधार बारिश से वाणिज्यिक शहर के कई इलाके जलमग्न हो गए हैं। बाढ़ग्रस्त इलाकों में अजीत सिंह नगर, नंदमुरी नगर, आंध्र प्रभा कॉलोनी, एलबीएस नगर, वैम्बे कॉलोनी और अयोध्या नगर शामिल हैं। इसके अलावा मधुर नगर, रामकृष्ण पुरम, न्यू राजराजेश्वरी पेटा, ओल्ड राजराजेश्वरी पेटा, पिपुला रोड, पायकापुरम, शांति नगर, प्रशांति नगर, जक्कमपुड़ी और पथपाडु में भी कुछ ऐसा ही हाल है।

नैनावरम, चित्तीनगर, मिल्क परियोजना क्षेत्र, ब्रिज पेटा और अन्य जगहों पर भी लोगों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। स्थानीय टीवी समाचार चैनलों पर प्रसारित दृश्यों में एक महिला मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू के सामने रोते हुए अपनी पीड़ा बयां कर रही है। अजीत सिंह नगर में लोग पिछले दो दिन से पेयजल को भी तरस गए हैं। महिला ने मुख्यमंत्री से शिकायत की कि कोई भी नौका उनकी मदद के लिए नहीं आई, जबकि कमर तक पानी में खड़ा एक अन्य व्यक्ति नायडू से सहायता के लिए विनती कर रहा है। पिछले कुछ दिनों में नायडू तीसरी बार नौका से बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा कर रहे हैं। बाढ़ पीड़ित ने सीधे नायडू से शिकायत की, ''कृपया हमारी हालत को समझें सर (मुख्यमंत्री)। हमारे पास पानी और भोजन नहीं है। पहली मंजिल तक पानी भर गया है।''

# रियासी में वैष्णो देवी मंदिर मार्ग पर भूस्खलन होने से दो महिलाओं की मौत, एक बच्ची घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**कटरा/जम्मू/भाषा।** जम्मू कश्मीर के रियासी जिले में वैष्णो देवी मंदिर के नये मार्ग पर सोमवार को भूस्खलन होने से दो महिला तीर्थयात्रियों की मौत हो गई जबकि पांच वर्ष की एक बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि इस घटना में जान गंवाने वाली दोनों महिलाएं पंजाब और उत्तर प्रदेश की रहने वाली थीं। उन्होंने बताया कि भूस्खलन के बाद हिमकोटि मार्ग पर तीर्थयात्रियों की आवाजाही रोक दी गई, लेकिन त्रिकुटा पहाड़ियों पर स्थित मंदिर की तीर्थयात्रा पारंपरिक सांझीछत मार्ग से जारी रही।

अधिकारियों ने बताया कि भूस्खलन अपराह्न करीब सवा दो बजे भवन से तीन किलोमीटर पहले पंछी के पास हुआ। उन्होंने बताया कि इसमें मार्ग के ऊपर बनाया गया लोहे के ढांचे का एक हिस्सा भी क्षतिग्रस्त हो गया।

अधिकारियों ने बताया कि मंदिर की ओर जा रहे तीर्थयात्री भूस्खलन के बाद लोहे के ढांचे के नीचे फंस गए। अधिकारियों के अनुसार, भूस्खलन पिछले कुछ दिनों से हो रही बारिश के कारण पत्थर गिरने से हुआ।

रियासी के उपायुक्त विशेष पॉल महाजन ने घटना में दो महिलाओं की मौत होने और एक बच्ची के घायल होने की पुष्टि की और कहा कि पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर रवाना हो गए हैं। महाजन भी स्थिति का जायजा लेने तथा घायल बच्ची का व्यक्तिगत रूप से

हाल जानने के लिए वैष्णो देवी तीर्थयात्रियों के आधार शिविर कटरा के लिए रवाना हो गए।

अधिकारियों ने बताया कि श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड (एसएमवीडीएसबी) के आपदा प्रबंधन दल तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और बचाव अभियान शुरू किया। अधिकारियों ने बताया कि मृतकों की पहचान पंजाब के गुरदासपुर के ध्यानपुर गांव की सपना (27) और उत्तर प्रदेश के कानपुर की नेहा (23) के रूप में हुई है। घायल लड़की – कानपुर की रहने वाली सानवी – को उपचार के लिए श्री माता वैष्णो देवी नारायण सुपरस्पेशलिटी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घायल लड़की के दादा एल प्रसाद ने बताया कि वे मंदिर मार्ग पर चढ़ाई से थोड़ा विराम ले रहे थे, तभी पुलिस ने बंदरों के भय के कारण मार्ग को खाली कराना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा, अचानक भूस्खलन हुआ और मलबा टिन शेड पर गिर गया, जो ढह गया।

वर्ष 2022 में नये साल के दिन, मंदिर में भगदड़ मचने से 12 तीर्थयात्रियों की मौत हो गई थी जबकि 16 अन्य घायल हो गए थे।

# भाजपा जम्मू कश्मीर में सरकार बनाने के लक्ष्य के प्रति दृढ़ संकल्प है : जितेंद्र सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**जम्मू/भाषा।** केंद्रीय मंत्री जितेंद्र प्रसाद ने भारत की विकास गाथा में जम्मू कश्मीर को साथ लेकर चलने की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कटिबद्धता को साकार करने के लिए केंद्र शासित प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की अगुवाई वाली सरकार की सोमवार को पैरवी की और कहा कि पार्टी यहां सरकार गठन के लिए कठिन परिश्रम कर रही है।

सिंह ने ''राजनीतिक फायदे के लिए अनुच्छेद 370 का दोहन करने'' को लेकर कांग्रेस एवं नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) की आलोचना की। उन्होंने कहा कि इसकी बहाली की मांग करने वाले लोग एक समय श्रीनगर में सार्वजनिक रूप से सामने आने से बचते थे, लेकिन अब वे लाल चौक पर 'मौज–मस्ती करते' हैं। सिंह ने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी सरकार यह सुनिश्चित करने में जी–जान से जुटी हैं कि जम्मू कश्मीर भाजपा की विकास गाथा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाये। वे इसी दूरदृष्टि के लिए कठिन परिश्रम कर रहे हैं।'' केंद्रीय मंत्री ने जम्मू–कश्मीर के संबंध में प्रधानमंत्री के मिशन को पूरा करने के लिए भाजपा सरकार के गठन की पुरजोर वकालत की। उन्होंने कहा, '' हम जम्मू–कश्मीर में पारदर्शी शासन, विकास और प्राकृतिक संसाधनों के अधिकतम उपयोग पर केंद्रित दृष्टिकोण के साथ भाजपा सरकार स्थापित करने के अपने मिशन पर अडिग हैं।'' सिंह ने कहा कि भाजपा का दृष्टिकोण तीन स्तंभों लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं, अविकसित क्षेत्रों में विकास को प्रोत्साहन और प्रभावी शासन के लिए स्वशासन को संवर्धन पर आधारित है।

# उच्चतम न्यायालय ने जातिगत जनगणना के अनुरोध वाली याचिका पर सुनवाई से इनकार किया

**नई दिल्ली/भाषा।** उच्चतम न्यायालय ने पिछड़े और हाशिए पर पड़े अन्य वर्गों के कल्याण के लिए सामाजिक–आर्थिक जातिगत जनगणना कराने के वास्ते केंद्र को निर्देश देने के अनुरोध वाली याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। न्यायालय ने कहा कि यह मुद्दा शासन के अधिकार क्षेत्र में आता है। न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय और न्यायमूर्ति एसवीएन भट्टी की पीठ ने याचिकाकर्ता पी. प्रसाद नायडू को अपनी याचिका वापस लेने की अनुमति दे दी, जिसमें उन्होंने जनगणना के लिए आंकड़ों की गणना में तेजी लाने का निर्देश देने का अनुरोध किया था। पीठ ने याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता रविशंकर जंडियाला और अधिवक्ता श्रवण कुमार करणम से कहा, ''इस बारे में क्या किया जा सकता है? यह मुद्दा शासन के अधिकार क्षेत्र में आता है। यह नीतिगत मामला है।'' जंडियाला ने कहा, ''1992 के इंद्रा साहनी फैसले (मंडल आयोग के फैसले) में कहा गया है कि यह जनगणना समय–समय पर की जानी चाहिए।''

# जीएसटी परिषद ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों पर कराधान की स्थिति रिपोर्ट पर करेगी विचार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** जीएसटी परिषद अगले सप्ताह होने वाली बैठक में ऑनलाइन गेमिंग पर कराधान के मामले में स्थिति रिपोर्ट पर विचार कर सकती है। इसके अलावा फर्जी माल एवं सेवा कर पंजीकरण के खिलाफ जारी अभियान की प्रगति पर भी विचार किये जाने की उम्मीद है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। परिषद जीएसटी कानून में संशोधनों को प्रभावी बनाने के लिए अधिसूचनाओं को भी मंजूरी देगी। ये वित्त अधिनियम, 2024 का हिस्सा थे।

केंद्रीय वित्त मंत्री की अध्यक्षता वाली परिषद में राज्यों के वित्त मंत्री शामिल हैं। इसकी 54वीं बैठक नौ सितंबर को होगी। इसमें दो मंत्री समूहों (जीओएम) की रिपोर्ट पर भी चर्चा होगी। इसमें एक दरों को युक्तिसंगत बनाने और दूसरा रियल एस्टेट से जुड़ा है। ऑनलाइन गेमिंग के संबंध में केंद्र और राज्य कर अधिकारी जीएसटी परिषद के समक्ष 'स्थिति रिपोर्ट' पेश करेंगे। रिपोर्ट में एक अक्टूबर, 2023 से पहले और बाद में ऑनलाइन गेमिंग क्षेत्र से होने वाले जीएसटी राजस्व संग्रह का ब्योरा शामिल होगा।

ऑनलाइन गेमिंग मंच और कसीनो पर एक अक्टूबर, 2023 से प्रवेश स्तर के दांव पर 28 प्रतिशत जीएसटी लगाया गया। इससे पहले, कई ऑनलाइन गेमिंग कंपनियां यह तर्क देते हुए 28 प्रतिशत जीएसटी का भुगतान नहीं कर रही थीं कि कौशल आधारित और किस्मत आधारित खेलों के लिए कर की दरें अलग–अलग थीं। जीएसटी परिषद ने अगस्त, 2023 में अपनी बैठक में स्पष्ट किया था कि ऑनलाइन गेमिंग मंचों को 28 प्रतिशत कर का भुगतान करना होगा। बाद में कराधान प्रावधान को स्पष्ट करने के लिए केंद्रीय जीएसटी कानून में संशोधन किया गया था। विदेशी गेमिंग मंचों को भी जीएसटी अधिकारियों के पास पंजीकरण करना और करों का भुगतान करना अनिवार्य किया गया। अगर वे ऐसा नहीं करते हैं तो सरकार वैसी साइट को ब्लॉक कर देगी। परिषद ने तब निर्णय लिया था कि इसके क्रियान्वयन के छह महीने बाद ऑनलाइन गेमिंग क्षेत्र पर कराधान की समीक्षा की जाएगी। सूत्रों ने कहा कि परिषद क्षेत्र पर कराधान की स्थिति पर विचार–विमर्श करेगी और कर दरों में किसी प्रकार के बदलाव की संभावना नहीं है।

इसके अलावा, परिषद को फर्जी पंजीकरण के खिलाफ चल रहे अभियान, इसकी सफलता और ऐसी संस्थाओं के खिलाफ की गई कार्रवाई के बारे में भी अवगत कराये जाने की संभावना है। संदिग्ध जीएसटी चोरी की कुल राशि भी परिषद के समक्ष रखी जाएगी।

# एनएचएआई जीआईएस सॉफ्टवेयर के जरिये करीब 100 टोल प्लाजा पर रखेगा नजर

**नई दिल्ली/भाषा।** भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) राष्ट्रीय राजमार्गों पर यातायात की निर्बाध आवाजाही के लिए जीआईएस–आधारित सॉफ्टवेयर के साथ लगभग 100 टोल प्लाजा की निगरानी करेगा। सोमवार को जारी एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, इन टोल प्लाजा की पहचान राष्ट्रीय राजमार्ग हेल्पलाइन 1033 के जरिये हासिल भीड़भाड़ संबंधी आंकड़ों के आधार पर की गई है। सजीव निगरानी और ट्रैकिंग प्रणाली की मदद से टोल प्लाजा पर वाहनों की कतार निर्धारित सीमा से अधिक होने पर भीड़भाड़ की चेतावनी और लेन वितरण से जुड़ी सिफारिशें जारी की जाएंगी। बयान के मुताबिक, इस टोल निगरानी सेवा को चरणबद्ध ढंग से कई अन्य टोल प्लाजा तक बढ़ाया जाएगा। एनएचएआई ने बयान में कहा कि टोल प्लाजा का नाम और जगह देने के अलावा यह सॉफ्टवेयर मीटर में कतार की लंबाई, कुल प्रतीक्षा समय और टोल प्लाजा पर वाहनों की रफ्तार से संबंधित विवरण भी साझा करेगा। बयान के मुताबिक, टोल प्लाजा पर वाहनों की कतार निर्धारित सीमा से अधिक होने पर यह भीड़भाड़ की चेतावनी और लेन वितरण की सिफारिश भी प्रदान करेगा।

# दो हजार के 97.96% नोट वापस आये, 7,261 करोड़ रुपए मूल्य के नोट अब भी लोगों के पास

**मुंबई/भाषा।** आरबीआई ने कहा कि 2000 रुपए मूल्य के 97.96 प्रतिशत नोट बैंकों के पास वापस आ गए हैं। अब भी 7,261 करोड़ रुपए के नोट लोगों के पास हैं। आरबीआई ने 19 मई, 2023 को 2000 रुपए मूल्य के बैंक नोट को चलन से वापस लेने की घोषणा की थी। केंद्रीय बैंक ने कहा कि उस समय चलन में 2000 रुपए के बैंक नोट का कुल मूल्य कारोबार की समाप्ति पर 3.56 लाख करोड़ रुपए था। इस साल 30 अगस्त को कारोबार समाप्ति पर यह घटकर 7,261 करोड़ पर आ गया। आरबीआई ने बयान में कहा, ''इस प्रकार, 19 मई, 2023 तक चलन में 2000 रुपए के 97.96 प्रतिशत बैंक नोट बैंकों के पास वापस आ गए हैं।'' दो हजार रुपए के बैंक नोट को जमा करने या बदलने की सुविधा सात अक्टूबर, 2023 तक देश में सभी बैंक शाखाओं में उपलब्ध थी। इस मूल्य के बैंक नोट को बदलने की सुविधा 19 मई, 2023 से रिजर्व बैंक के 19 निर्गम कार्यालयों में उपलब्ध है। नौ अक्टूबर, 2023 से आरबीआई के निर्गम कार्यालय भी व्यक्तियों और संस्थाओं से उनके बैंक खातों में जमा करने के लिए 2000 रुपए के बैंक नोट स्वीकार कर रहे हैं।

# नेशनल कॉन्फ्रेंस की आलोचना नहीं कर रही, सिर्फ सच बता रही हूं: महबूबा मुफ्ती

**श्रीनगर/भाषा।** पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने सोमवार को कहा कि जब वह दोनों दलों के सरकारों के कार्यकाल की तुलना कर रही थीं तो वह केवल सच बता रही थीं और नेशनल कॉन्फ्रेंस की आलोचना नहीं कर रही थीं। जम्मू–कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री (महबूबा) पूर्व मंत्री सोना उल्लाह डार के बेटे नजीर अहमद डार के पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) में शामिल होने के बाद पुलवामा में पत्रकारों से बात कर रही थीं। उन्होंने कहा, पीडीपी सच कहती है। नेशनल कॉन्फ्रेंस के शासन काल को देखें और हमारे शासनकाल से तुलना करें। नेशनल कॉन्फ्रेंस ने 70 वर्षों में से 40 वर्षों तक जम्मू एवं कश्मीर पर शासन किया। हमारे पास नेशनल कॉन्फ्रेंस के एक तिहाई विधायक थे और फिर भी हमारा प्रदर्शन देखें। कोई तुलना नहीं है।

महबूबा ने भाजपा के साथ गठबंधन को लेकर नेशनल कॉन्फ्रेंस पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पीडीपी का भारतीय जनता पार्टी के साथ गठबंधन मुद्दों पर आधारित था, जबकि नेशनल कांफ्रेंस का गठबंधन समस्याएं लेकर आया। महबूबा ने कहा, (नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष) उमर अब्दुल्ला भाजपा सरकार में मंत्री थे। वह यहां पोटा (आतंकवाद निरोधक अधिनियम) लाए, शाहतूश (शॉल) पर प्रतिबंध लगाया। वह पाकिस्तान पर हमले की वकालत कर रहे थे। उन्होंने कहा, जब हमने भाजपा के साथ सरकार बनाई थी तो कुछ शर्तें थीं। हमारी सरकार ने 12,000 प्राथमिकी वापस ले ली, हम हुर्रियत के साथ बातचीत करने के लिए दिल्ली से एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल लेकर आए।

# राहुल ने केंद्र, आंध्र प्रदेश सरकार से बारिश से प्रभावित लोगों के लिए पुनर्वास पैकेज का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों में मूसलाधार बारिश के मद्देनजर सोमवार को कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं से राहत और बचाव प्रयासों में सहयोग के लिए सभी उपलब्ध संसाधन जुटाने का आग्रह किया।

गांधी ने कहा कि तेलंगाना सरकार संकट से निपटने और पुनर्निर्माण प्रक्रिया शुरू करने के लिए अथक प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा, ''मैं केंद्र सरकार और आंध्र प्रदेश सरकार से इस आपदा से प्रभावित सभी लोगों के लिए शीघ्र व्यापक पुनर्वास पैकेज उपलब्ध कराने का आग्रह करता हूं।'' पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''मेरी संवेदनाएं बारिश और विनाशकारी बाढ़ से जूझ रहे तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के लोगों के साथ हैं।'' उन्होंने उन परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया। गांधी ने कहा, ''मैं कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं से अनुरोध करता हूं कि वे राहत और बचाव कार्यों में सहयोग के लिए सभी उपलब्ध संसाधन जुटाएं।'' तेलंगाना में भारी बारिश के कारण वर्षाजनित विभिन्न घटनाओं में कम से कम 16 लोगों की जान चली गई। राज्य सरकार ने सोमवार को प्रारंभिक अनुमान के अनुसार 5,000 करोड़ रुपए के नुकसान का उल्लेख किया और केंद्र से 2,000 करोड़ रुपए की तत्काल सहायता मांगी है। लगातार बारिश के कारण निचले इलाकों में पानी भर गया, खेतों में लगी फसलों को नुकसान पहुंचा और पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश के साथ राज्य का रेल और सड़क संपर्क बाधित हो गया।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने बारिश से संबंधित घटनाओं में मारे गए लोगों के परिजनों को पांच–पांच लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की।

# 'देश को सार्वजनिक नीति में वित्तीय बाजारों की भूमिका के दबदबे से बचना चाहिए'

**मुंबई/भाषा।** मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) डॉ. वी. अनंत नागेश्वरन ने सोमवार को कहा कि देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य की ओर बढ़ते हुए सार्वजनिक नीति में वित्तीय बाजारों की भूमिका के दबदबे से बचना चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा कि भारत की आर्थिक वृद्धि की संभावनाएं सबसे उज्ज्वल वैश्विक संभावनाओं में से एक हैं। नागेश्वरन ने सोमवार को कहा कि भारत का शेयर बाजार पूंजीकरण सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का करीब 140 प्रतिशत है। भारतीय वित्तीय क्षेत्र की रिकॉर्ड लाभप्रदता तथा बाजार पूंजीकरण का उच्चस्तर या सकल घरेलू उत्पाद के अनुपात में बाजार पूंजीकरण एक अन्य कारक उत्पन्न करता है जिसकी गहन जांच की आवश्यकता है। सीईए ने कहा, '' जब बाजार अर्थव्यवस्था से बड़ा हो जाता है तो यह स्वाभाविक है, लेकिन जरूरी नहीं कि यह उचित हो कि बाजार के विचार तथा प्राथमिकताएं सार्वजनिक चर्चा पर हावी हो जाएं और नीतिगत चर्चा को भी प्रभावित करें। मैं ''वित्तीयकरण'' या नीति तथा व्यापक आर्थिक परिणामों पर वित्तीय बाजार के दबदबे की बात कर रहा हूं।''

# सेबी ने जेएसडब्ल्यू सीमेंट के 4,000 करोड़ रुपए के आईपीओ को रोका

**नई दिल्ली/भाषा।** पूंजी बाजार नियामक सेबी ने जेएसडब्ल्यू सीमेंट के प्रस्तावित 4,000 करोड़ रुपए के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को फिलहाल रोक दिया है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की वेबसाइट पर सोमवार को उपलब्ध सूचना के अनुसार सेबी ने कहा कि प्रस्तावित आईपीओ को लेकर 'टिप्पणी' जारी करने को फिलहाल टाल दिया गया है। विभिन्न कारोबार से जुड़े जेएसडब्ल्यू समूह की इकाई जेएसडब्ल्यू सीमेंट ने 16 अगस्त को सेबी के पास आईपीओ को लेकर विवरण पुस्तिका जमा की थी। नियामक के पास जमा विवरण पुस्तिका के अनुसार, प्रस्तावित निर्गम में 2,000 करोड़ रुपए का नया निर्गम और शेयरधारकों की ओर से 2,000 करोड़ रुपए मूल्य की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
उपलब्ध

FLATS FOR SALE
PURVA BLUBELLE
Adjacent to Magadi road Metro station
Rajajinagar Centre of the City
3 bedroom & Exclusive 5 bedroom Flats + servant room with all luxurious Amenities,
Contact : 9844027560

# उच्च पद पर आसीन लोगों से कुछ तरह के संयम की अपेक्षा की जाती है: उच्चतम न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** उच्चतम न्यायालय ने वर्ष 2015 के 'नकदी के बदले वोट' मामले में सुनवाई भोपाल स्थानांतरित करने का अनुरोध करने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए सोमवार को कहा कि उच्च पद पर आसीन व्यक्ति से कुछ तरह के संयम की अपेक्षा की जाती है। 'नकदी के बदले वोट' मामले में तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी भी एक आरोपी हैं।

शीर्ष अदालत ने 29 अगस्त को मामले की सुनवाई करते हुए कथित दिल्ली आबकारी शुल्क नीति घोटाले से जुड़े मामलों में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) नेता के. कविता को उसके द्वारा जमानत दिये जाने को लेकर रेड्डी की टिप्पणियों पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की थी। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने 30 अगस्त को दावा किया था कि उनकी टिप्पणियों को संदर्भ से परे देखा गया और उन्होंने 'बिना शर्त खेद' व्यक्त किया था। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में उन्होंने देश की न्यायपालिका के प्रति अपना सम्मान और पूर्ण विश्वास व्यक्त किया था। यह मामला सोमवार को न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आया।

पीठ ने कहा, ''विशेष रूप से, जब कोई उच्च पद पर होता है, तो उससे कुछ तरह के संयम की अपेक्षा की जाती है।'' उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि अदालतों और वकीलों को इसमें घसीटा जाता है। तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के तत्कालीन सदस्य रेवंत रेड्डी को 31 मई, 2015 को एसीबी ने विधान परिषद चुनाव में कथित तौर पर तेदेपा उम्मीदवार वेम नरेन्द्र रेड्डी का समर्थन करने के लिए मनोनीत विधायक एल्विस स्टीफेंसन को 50 लाख रुपए की रिश्वत देते हुए पकड़ा था।

# उच्चतम न्यायालय ने स्वाति मालीवाल पर हमला मामले में अरविंद केजरीवाल के सहयोगी बिभव कुमार को जमानत दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सहयोगी बिभव कुमार को स्वाति मालीवाल पर हमला मामले में सोमवार को जमानत देते हुए कहा कि वह सौ दिन से अधिक समय से हिरासत में हैं। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने इस तथ्य का भी संज्ञान लिया कि अभियोजन पक्ष 51 से अधिक गवाहों से पूछताछ करने वाला है और मुकदमे की सुनवाई पूरी होने में समय लगेगा। पीठ ने यह भी कहा कि चूंकि मामले में आरोपपत्र पहले ही दाखिल किया जा चुका है, इसलिए कुमार की रिहाई से जांच पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

शीर्ष अदालत ने कहा, ''आरोप हैं कि याचिकाकर्ता (दिल्ली के मुख्यमंत्री के निजी सचिव) ने शिकायतकर्ता–पीड़िता

(राज्यसभा सदस्य मालीवाल) पर हमला किया... मामले में जांच पूरी हो चुकी है। आरोपपत्र दाखिल किया जा चुका है। हम इस बिंदु पर सुनवाई करने के इच्छुक नहीं हैं कि प्रथम दृष्टया अपराध कहां हुआ। यह निचली अदालत का अधिकार क्षेत्र है।'' पीठ ने कहा, ''हम निष्पक्ष सुनवाई के लिए गवाहों को प्रभाव से मुक्त रखने की चिंता को समझते हैं, लेकिन हम इस बात से संतुष्ट हैं कि अन्य उपायों के माध्यम से वांछित सुरक्षा प्रदान की जा सकती है। मामले के गुण–दोष पर राय व्यक्त किए बिना, हम याचिकाकर्ता को जमानत देना उचित समझते हैं।''

दिल्ली पुलिस की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस वी राजू ने इस चरण में जमानत दिए जाने का विरोध किया। राजू ने कहा, ''कुछ महत्वपूर्ण गवाह हैं जो उनके (बिभव) प्रभाव में हैं। पहले उनसे पूछताछ हो जाए।'' उन्होंने दावा किया कि घटना के सीसीटीवी फुटेज से छेड़छाड़ की गई।

कुमार की तरफ से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने कहा कि चोटें सामान्य प्रकृति की हैं और भारतीय दंड संहिता की धारा 308 (गैर इरादतन हत्या का प्रयास) के तहत मामला दर्ज करना न्यायोचित नहीं है।

उद्घाटन

सोमवार को बेंगलूरु के शिवाजीनगर में शिवाजीनगर सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के उपचार प्रणाली का उद्घाटन मुख्यमंत्री सिद्दरामैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने की। इस मौके पर चिकित्सा शिक्षा मंत्री शरणप्रकाश पाटिल, मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव नसीर अहमद मुख्य अतिथि थे और शिवाजीनगर के विधायक रिजवान अरशद ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

## बीबीएमपी 15 दिनों के भीतर बेंगलूरु की सड़कों को गड्ढा मुक्त करे : उप मुख्यमंत्री शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने बृहत बेंगलुरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) को पूरे शहर की सड़कों को गड्ढा मुक्त करने के लिए सोमवार को 15 दिनों की समयसीमा दी।

बेंगलूरु विकास विभाग भी संभाल रहे शिवकुमार ने कहा, ''बेंगलूरु की सड़कों में गड्ढे होने की कई शिकायतों के मद्देनजर मैंने बीबीएमपी के मुख्य आयुक्त तुषार गिरीनाथ को इन्हें भरने के लिए 15 दिन का समय दिया है।''

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि बेंगलूरु में 2,795 गड्ढों की पहचान की गई है और अधिकारियों को उन्हें भरने के लिए 15 दिनों की समयसीमा दी गई है। 660 करोड़ रुपये की लागत से मुख्य मार्गों की मरम्मत का काम भी शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा, जब मैं हाल ही में दिल्ली में था, तो मैंने छोटी सड़कों का दौरा करने का फैसला किया। बेंगलूरु की सड़कें इनसे कहीं बेहतर हैं। मैं उनकी आलोचना नहीं कर रहा हूं, लेकिन यह वास्तविकता है। बीबीएमपी अधिकारियों के अच्छे

काम की वजह से बेंगलूरु के कई इलाकों में बाढ़ रुक गई है। मैं उन्हें इस काम के लिए बधाई देता हूं।

बेंगलूरु में गड्ढों की बढ़ती शिकायतों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, हमने लोगों को अपने इलाके में गड्ढों की तस्वीरें अपलोड करने में मदद करने के लिए एक ऐप लॉन्च किया है। अधिकारी हमें केवल मुख्य सड़कें दिखाते हैं, इसलिए मैंने बाइक से शहर का दौरा करने का फैसला किया है। मैं कमिश्नर को भी शहर का दौरा करवाऊंगा।

उन्होंने बताया, एनजीटी के नियमों के अनुसार राजकलुवे के 50 मीटर के दायरे में कोई निर्माण नहीं किया जा सकता है। हमने 300 किलोमीटर ऐसे क्षेत्रों की पहचान की है, जहाँ राजा कलुवे के साथ 30 फीट की सड़क बनाई जाएगी। भूमि मालिकों को टीडीआर के साथ मुआवज़ा दिया जाएगा, जिसे वे ज़मीन के बदले बेच सकते हैं। हेब्बाल, नागवारा, बेलंदूर, बेंगलूरु दक्षिण के आसपास ज़मीनों की पहचान की गई है। पहले चरण में 100 किलोमीटर सड़कें बनाई जाएँगी। सड़कें बसों के लिए खुली नहीं हैं, लेकिन अन्य वाहनों के लिए खोली जाएँगी। इसके लिए 200 करोड़ रुपये का फंड आवंटित किया गया है। इस पर कैबिनेट में भी चर्चा हुई है।

बीबीएमपी ठेकेदारों के विरोध के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, मैं ठेकेदारों का दर्द समझता हूँ। हमने बकाया राशि को 75 प्रतिशत से घटाकर 50 प्रतिशत कर दिया है। कुछ बिल आयोग के पास लंबित हैं। आयोग द्वारा अपनी सिफारिशें दिए जाने के बाद हम कानूनी सीमाओं के भीतर उनकी मदद करेंगे। ठेकेदारों को सरकार को ब्लैकमेल नहीं करना चाहिए। अगर एक ठेकेदार विरोध करता है, तो दूसरा ठेकेदार काम ले लेगा।

## 'क्रांतिकारी स्वचालित भवन योजना अनुमोदन शुरू किया गया'

बेंगलूरु। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने सोमवार को बीबीएमपी सीमा में 4000 वर्ग फीट तक की साइटों में भवनों के निर्माण के लिए क्रांतिकारी ऑनलाइन भवन योजना अनुमोदन प्रक्रिया शुरू करने की घोषणा की।

विधान सौधा में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, 'नम्बिके नक्शे' योजना के तहत मालिकों को एक अधिकृत वास्तुकार या इंजीनियर द्वारा अनुमोदन के साथ एक अनंतिम भवन योजना प्राप्त करने और फिर बीबीएमपी द्वारा अंतिम अनुमोदन के लिए इसे ऑनलाइन अपलोड करने की अनुमति है। यह 50गुणा80 फीट क्षेत्र तक के सभी साइटों पर निर्माण के लिए लागू होगा। बीडीए या कर्नाटक हाउसिंग बोर्ड द्वारा विकसित की गई अधिकांश साइटें अधिकतम 50गुणा80 फीट के आयाम की हैं। इसके बाद, मालिक एक अनंतिम प्रमाणपत्र प्राप्त कर सकते हैं और निर्माण गतिविधियाँ शुरू कर सकते हैं।

## राज्यपाल ने खरगे परिवार के न्यास को जमीन आवंटन पर कर्नाटक सरकार से मांगी सफाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने कांग्रेस अध्यक्ष एम मल्लिकार्जुन खरगे के परिवार

द्वारा संचालित एक न्यास को जमीन के कथित आवंटन को लेकर उनके बेटे एवं मंत्री प्रियांक खरगे को राज्य मंत्रिमंडल से हटाने की मांग करते हुए भाजपा द्वारा सौंपे गये एक आवेदन पर कांग्रेस सरकार से सफाई मांगी है। प्रियांक खरगे ने सोमवार को इस बात की पुष्टि की कि राज्यपाल ने इस संबंध में मुख्य सचिव शालिनी रजनीश को पत्र लिखा है।

उन्होंने राज्यपाल पर कांग्रेस नेताओं के खिलाफ शिकायत पर 'बिजली की गति से कार्रवाई करने' जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) एवं जनता दल सेक्युलर (जदएस) के नेताओं के विरुद्ध शिकायतों पर 'कछुए की गति' से कार्रवाई करने का आरोप लगाया।

उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा, ''(भाजपा की) शिकायत और उनके (राज्यपाल) द्वारा सरकार को पत्र लिखने में बिजली की गति से काम किया गया है। अन्य मामलों में ऐसा नहीं होता। भाजपा-जदएस नेताओं से जुड़े मामलों में गति कछुए की होती है। अगर कांग्रेस का मामला है तो बिजली की गति होगी।''

प्रियांक खरगे ने आरोप लगाया, ''राज्यपाल कार्यालय तब सक्रिय हो जाता है जब उसे भाजपा को खड़ा करना होता है....।'' उन्होंने कहा कि ''भाजपा-जदएस के खिलाफ दस्तावेजों को उनकी मेज पर घुन खा रहे हैं'', उसके बावजूद उन्होंने कोई कार्रवाई नहीं की।

उन्होंने कहा, ''उन्होंने (राज्यपाल ने) कुछ प्रश्न पूछे हैं और उन्हें (भाजपा-जदएस नेताओं के खिलाफ शिकायतें या याचिकाएं) वापस भेज दिया है और कह रहे हैं कि वे उनके समक्ष नहीं हैं।

## उच्च न्यायालय ने 'मुडा' मामले में सिद्दरामय्या के खिलाफ कार्यवाही पर रोक बढ़ाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने सोमवार को मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) मामले में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के खिलाफ निचली अदालत की कार्यवाही पर अंतरिम रोक नौ सितंबर तक बढ़ा दी। उच्च न्यायालय ने मामले में मुख्यमंत्री के खिलाफ अभियोजन के लिए राज्यपाल थावरचंद गहलोत की मंजूरी की वैधता को चुनौती देने वाली सिद्दरामय्या की याचिका पर सुनवाई एक सप्ताह के लिए स्थगित कर दी। प्रतिवादी संख्या-चार स्नेहमयी कृष्णा की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता के जी राघवन ने सुनवाई पुनः शुरू होने पर दलीलें पेश कीं। न्यायमूर्ति एम नागप्रसन्ना ने कहा, वरिष्ठ अधिवक्ता के जी राघवन की बात सुनी गई, महाधिवक्ता ने अपनी दलीलें रखने के लिए एक सप्ताह का समय मांगा है। मामले को नौ सितंबर को दोपहर ढाई बजे सूचीबद्ध किया जाता है। 19 अगस्त को दिया गया अंतरिम आदेश अगली सुनवाई की तारीख तक जारी रहेगा।

राज्यपाल ने 16 अगस्त को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 17ए और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 218 के तहत प्रदीप कुमार एस पी, टी जे अब्राहम और स्नेहमयी कृष्णा की याचिकाओं में उल्लिखित आरोपों के संदर्भ में अभियोजन की मंजूरी प्रदान की। सिद्दरामय्या ने राज्यपाल के आदेश की वैधता को चुनौती देते हुए 19 अगस्त को उच्च न्यायालय का रुख किया। याचिका में मुख्यमंत्री ने कहा कि मंजूरी आदेश मनमाने तरीके से जारी किया गया, यह वैधानिक आदेशों का उल्लंघन है और संवैधानिक सिद्धांतों के विपरीत है, क्योंकि इसमें मंत्रिपरिषद की सलाह शामिल नहीं है जो भारत के संविधान के अनुच्छेद 163 के तहत बाध्यकारी है। सिद्दरामय्या ने राज्यपाल के आदेश को रद्द करने का अनुरोध करते हुए कहा कि उनका निर्णय कानूनी रूप से टिकने वाला नहीं है और यह प्रक्रियात्मक रूप से त्रुटिपूर्ण है।

## सिद्दरामय्या ने प्रश्नों के अनुपयुक्त अनुवाद के बाद केपीएससी को फिर परीक्षा कराने का दिया निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने प्रश्नों के कथित अनुपयुक्त अनुवाद को लेकर लोगों के विरोध के बाद सोमवार को कर्नाटक लोकसेवा आयोग (केपीएससी) को राजपत्रित परिवीक्षाधीन अधिकारी परीक्षा दो महीने के अंदर करवाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इन खामियों के लिए जिम्मेदार लोगों को काम से हटा दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, केपीएससी की परिवीक्षाधीन अधिकारी परीक्षा में अनुपयुक्त कन्नड़ अनुवाद की खबर के आलोक में मैंने आयोग को सभी अभ्यर्थियों के वास्ते निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए दो महीने के अंदर परीक्षा फिर कराने का निर्देश दिया है। उन्होंने लिखा, ''आगामी परीक्षा पूरी तत्परता तथा जिम्मेदारी और जवाबदेही के साथ आयोजित की जाएगी। हम अपनी भर्ती प्रक्रियाओं की शुचिता को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'' राज्य में 350 राजपत्रित परिवीक्षाधीन अधिकारी पदों को भरने के लिए 27 अगस्त को आयोजित प्रारंभिक परीक्षा के प्रश्नपत्रों में अंग्रेजी से कन्नड़ में 'खराब और गलत' अनुवाद करने के आरोप लगे हैं, जिससे कन्नड़ माध्यम के अभ्यर्थियों में भ्रम की स्थिति पैदा हो गई थी।

## सोनिया, राहुल के खिलाफ फर्जी खबर फैलाने के आरोप में महिला व बांग्लादेशी पत्रकार के खिलाफ मामला दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और उनकी मां तथा वरिष्ठ कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के बारे में फर्जी खबर एवं गलत सूचना फैलाने के आरोप में पुलिस ने एक बांग्लादेशी पत्रकार तथा एक भारतीय समाचार पोर्टल की महिला कर्मचारी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इसकी जानकारी दी।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि हाई ग्राउंड्स पुलिस थाने में बांग्लादेशी पत्रकार सलाह उद्दीन शोएब चौधरी तथा समाचार पोर्टल के साथ काम करने वाली अदिति के खिलाफ उनके दावों को सोशल मीडिया हैंडल पर साझा करने के लिए मामला दर्ज किया गया है।

इस मामले के शिकायतकर्ता एवं कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) से जुड़े श्रीनिवास जी के अनुसार, बांग्लादेशी पत्रकार ने अपने 'एक्स' हैंडल पर सोनिया गांधी को एक विदेशी जासूसी एजेंसी से जोड़ने वाला एक पोस्ट कथित तौर पर साझा किया।

उन्होंने आरोप लगाया कि चौधरी ने गांधी परिवार की सार्वजनिक छवि खराब करने के इरादे से ऐसा किया और पत्रकार ने दो धर्मों के बीच दुश्मनी पैदा करने के लिए ऐसा पोस्ट साझा किया। श्रीनिवास ने चौधरी पर राहुल गांधी के बारे में कुछ दावे करने का आरोप लगाया।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, हमें मिली शिकायत के आधार पर, हमने गांधी परिवार के बारे में कथित रूप से गलत सूचना फैलाने के लिए दोनों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। भारतीय न्याय संहिता की धारा 196 (धर्म, जाति, जन्म स्थान, निवास, भाषा आदि के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना और सद्भाव बनाए रखने के लिए हानिकारक कार्य करना) और 353 (2) (धर्म आदि के आधार पर नफरत पैदा करने के लिए गलत सूचना प्रकाशित या प्रसारित करना) के तहत मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा कि जांच चल रही है और तदनुसार मामले में कार्रवाई की जाएगी।

## खरगे परिवार संचालित ट्रस्ट के इंस्टीट्यूट को 19 एकड़ जमीन मुफ्त दी गई : भाजपा सांसद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद लहर सिंह सिरोया ने सोमवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस अध्यक्ष एम. मल्लिकार्जुन खरगे के परिवार से संबंधित सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट द्वारा संचालित एक संस्थान को 19 एकड़ सरकारी जमीन मुफ्त दी गई। सिरोया ने इसकी जांच किसी स्वतंत्र एजेंसी से कराने की मांग की। राज्यसभा सदस्य सिरोया ने दावा किया कि नये दस्तावेजों से खुलासा हुआ है कि यह भूमि ट्रस्ट द्वारा संचालित 'इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट आफ पाली, संस्कृत एंड कंपैरेटिव फिलॉस्फी', कलबुर्गी को दे दी गई। उन्होंने बताया कि इसके ट्रस्टी में खरगे की पत्नी, दामाद और दो बेटे शामिल हैं। उन्होंने कहा कि पाली इंस्टीट्यूट के सचिव राधाकृष्ण हैं, जो खरगे के दामाद और मौजूदा सांसद हैं। सिरोया ने कहा कि हाल ही में यह बात सामने आई थी कि ट्रस्ट को बेंगलूरु के पास एयरोस्पेस पार्क में पांच एकड़ जमीन दी गई थी। भाजपा नेता ने एक बयान में

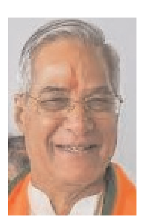

दावा किया कि मार्च 2014 में सिद्दरामय्या के नेतृत्व वाली तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने पाली इंस्टीट्यूट को 30 साल के लिए 16 एकड़ सरकारी जमीन पट्टे पर दी थी। उन्होंने दावा किया कि कुछ वर्षों में, 16 एकड़ की पट्टे वाली संपत्ति में तीन एकड़ की अतिरिक्त जमीन जोड़ दी गई। उन्होंने कहा कि अंत में, मार्च 2017 में, कांग्रेस सरकार द्वारा सभी 19 एकड़ जमीन संस्थान को मुफ्त में हस्तांतरित कर दी गई। उन्होंने कहा कि एक महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि खरगे के बेटे प्रियंक खरगे तत्कालीन कर्नाटक सरकार में भी कैबिनेट मंत्री थे और अब भी हैं। उन्होंने मांग की कि 19 एकड़ भूमि के हस्तांतरण की जांच किसी स्वतंत्र एजेंसी द्वारा की जानी चाहिए।

सिरोया ने कहा, कर्नाटक में खरगे परिवार द्वारा सत्ता के कथित दुरुपयोग और भाई-भतीजावाद को उजागर करने के लिए मुझे व्यक्तिगत रूप से निशाना बनाया गया। लेकिन, अगर खरगे परिवार बाबासाहेब आंबेडकर और भगवान गौतम सिद्धार्थ के सिद्धांतों में विश्वास करता है, तो उन्हें खुद जांच की मांग करनी चाहिए। उन्होंने कहा, इस संदर्भ में पूछने के लिए एक और प्रासंगिक सवाल यह है कि क्या सिद्दरामय्या सरकार ने खरगे के दबाव में आकर उनके निजी ट्रस्ट को जमीन के टुकड़े दिये या कर्नाटक की कांग्रेस सरकार श्री खरगे को खुश करने की कोशिश कर रही थी?

## कर्नाटक सरकार ने अधिक शुल्क वसूल रहे नर्सिंग महाविद्यालयों के खिलाफ कदम उठाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के चिकित्सा शिक्षा मंत्री शरण प्रकाश पाटिल ने नर्सिंग महाविद्यालयों में फीस के रूप में कथित रूप से मोटी रकम वसूले जाने की शिकायतें सामने आने के बीच ऐसे संस्थानों में शुल्क की निगरानी एवं उसके विनियमन के लिए सोमवार एक शुल्क विनियामक समिति गठित करने का आदेश दिया। यहां नर्सिंग शिक्षण संस्थानों की समीक्षा बैठक के दौरान पाटिल ने कहा कि उनके कार्यालय को नर्सिंग महाविद्यालयों द्वारा अत्यधिक शुल्क वसूले जाने की कई शिकायतें मिली हैं जिससे विद्यार्थियों पर भारी वित्तीय बोझ पड़ा है।

उन्होंने कहा कि चिकित्सा शिक्षा विभाग के संयुक्त सचिव की अगुवाई में गठित पांच सदस्यीय नयी फीस विनियामक समिति को शुल्क संरचना की जांच-पड़ताल का जिम्मा सौंपा गया है। पाटिल ने विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया, यदि किसी नर्सिंग महाविद्यालय को सरकार द्वारा निर्धारित सीमा से अधिक शुल्क वसूलता हुआ पाया जाता है, तो उसके आवश्यक प्रमाण पत्र और व्यवहार्यता प्रमाण पत्र (ईसीएंडएफसी) को वापस ले लिया जाए। उनके अनुसार, वर्तमान में सरकारी कोटे के तहत दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों के लिए फीस 10,000 रुपये प्रति वर्ष, प्रबंधन कोटे के तहत एक लाख रुपये और कर्नाटक के बाहर के विद्यार्थियों के लिए 1.40 लाख रुपये है। राज्य में 611 नर्सिंग महाविद्यालयों में करीब 35,000 सीट हैं।

पाटिल ने हाल में शुल्क संरचना में 20 प्रतिशत की वृद्धि के एक नर्सिंग महाविद्यालय प्रबंधन के अनुरोध को खारिज कर दिया था।

## एर्नाकुलम-यलहंका-एर्नाकुलम के बीच विशेष रेल सेवा

बेंगलूरु। दक्षिण पश्चिम रेलवे से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार रेल यात्रियों की सुविधा के लिए तथा ओणम उत्सव के दौरान अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए दक्षिण रेलवे एर्नाकुलम और यलहंका के बीच विशेष रेलगाड़ियाँ चला रहा है।

ट्रेन संख्या 06101 एर्नाकुलम-यलहंका स्पेशल 4 और 6 सितम्बर को दोपहर 12.40 बजे एर्नाकुलम से रवाना होगी तथा उसी दिन रात 11 बजे यलहंका पहुँचेगी। वापसी यात्रा पर, ट्रेन संख्या 06102 येलहंका से 5 व 7 सितम्बर को सुबह 5 बजे यलहंका से रवाना होगी तथा उसी दिन दोपहर 02.20 बजे एर्नाकुलम पहुँचेगी।

ये विशेष रेलगाड़ियाँ दोनों दिशाओं में निम्नलिखित स्टेशनों पर रुकेंगी: त्रिशूर, पलक्कड़, पोदनूर, तिरुप्पुर, इरोड, सेलम, व्हाइटफील्ड, कृष्णराजपुरम।

विशेष रेलगाड़ी में 09 एसी 3 टियर कोच और 02 एसी चेयर कार तथा 02 ब्रेक/जेनरेटर कार के साथ विकलांगों के लिए अनुकूल एसी कोच होंगे।

## आज भी कई ट्रेनें हुई रद्द

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिण रेलवे से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार दक्षिण मध्य रेलवे ने जोन में भारी बारिश के परिणामस्वरूप और दक्षिण मध्य रेलवे के विजयवाड़ा-काजीपेट खंड में रायनपाडु स्टेशन पर भारी जल प्रवाह/जल जमाव के कारण कई ट्रेन सेवाओं को रद्द किया गया है।

ट्रेन संख्या 12295 एसएमवीटी बेंगलूरु - दानापुर संघमित्रा एक्सप्रेस जो 2 सितम्बर को 09.15 बजे रवाना होने वाली थी, अब पूरी तरह से रद्द कर दी गई है। (पहले डायवर्ट के रूप में अधिसूचित थी) 3 सितम्बर को सुबह बेंगलूरु से 09.15 बजे निकलने वाली ट्रेन संख्या 12295 एसएमवीटी बेंगलूरु-दानापुर संघमित्रा एक्सप्रेस पूरी तरह से रद्द है।

3 सितम्बर को हैदराबाद से शाम 18.00 बजे प्रस्थान करने वाली ट्रेन संख्या 12760 हैदराबाद-तांबरम चारमीनार एक्सप्रेस पूरी तरह से रद्द है।

3 सितम्बर को तारम्बरम् से 17.30 बजे प्रस्थान करने वाली ट्रेन संख्या 12759 ताम्बरम-हैदराबाद चारमीनार एक्सप्रेस पूरी तरह से रद्द है।

ट्रेन संख्या 22869 विशाखापत्तनम-डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल साप्ताहिक सुपरफास्ट एक्सप्रेस जो 2 सितम्बर को 19.00 बजे प्रस्थान करने वाली है, पूरी तरह से रद्द है।

5 सितम्बर को एर्नाकुलम से 07.15 बजे प्रस्थान करने वाली ट्रेन संख्या 18190 एर्नाकुलम-टाटानगर एक्सप्रेस पूरी तरह से रद्द है।

6 सितम्बर को 16.20 बजे प्रस्थान करने वाली ट्रेन संख्या 06081 कोचुवेली-शालीमार सुपरफास्ट स्पेशल पूरी तरह से रद्द है।

ट्रेन संख्या 22838 एर्नाकुलम - हटिया धरती आबा एसी सुपरफास्ट एक्सप्रेस जो 4 सितम्बर को 23.25 बजे प्रस्थान करने वाली है, पूर्णतः रद्द है।

7 सितम्बर को 05.50 बजे प्रस्थान करने वाली ट्रेन संख्या 12666 कन्याकुमारी-हावड़ा एक्सप्रेस पूर्णतः रद्द है।

ट्रेन संख्या 12840 डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल - शालीमार हावड़ा मेल जो 3 सितम्बर को 19.00 बजे प्रस्थान करने वाली है, पूरी तरह से रद्द है।

4 सितम्बर को 07.15 बजे प्रस्थान करने वाली ट्रेन संख्या 22842 ताम्बरम-संतरागाछी अंत्योदय एक्सप्रेस पूर्णतः रद्द है। वहीं 4 सितम्बर को 14.15 बजे प्रस्थान करने वाली ट्रेन संख्या 12868 पुडुचेरी-हावड़ा एक्सप्रेस पूरी तरह से रद्द है।

## कर्नाटक भाजपा पदाधिकारी के खिलाफ यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। बेंगलूरु में 2023 में एक महिला का यौन उत्पीड़न करने के आरोप में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई के पदाधिकारी अरुण कुमार पुथिला के खिलाफ एक मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि कथित अपराध को बेंगलूरु के एक होटल में उस वक्त अंजाम दिया गया था जब महिला पुथिला द्वारा शुरू किए गए एक हिंदू समर्थक आंदोलन में शामिल होना चाहती थी। पुलिस ने बताया कि महिला बाद में विभिन्न सोशल मीडिया साइट पर पदाधिकारी की फॉलोअर बन गई थी।

दक्षिण कन्नड़ जिले में पुत्तुर में महिला पुलिस थाने में एक सितंबर को दर्ज की गई प्राथमिकी के अनुसार पुथिला ने महिला के भरोसे का फायदा उठाया और उसे बेंगलूरु शहर में स्थित एक लॉज में बुलाया, जहां उसने महिला का कथित रूप से यौन उत्पीड़न किया। प्राथमिकी के अनुसार इसके अलावा पुथिला ने महिला को ब्लैकमेल किया उसे जान से मारने की धमकी भी दी। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि आरोपी यह दावा करता था कि उसके पास उसकी ऐसी तस्वीरें, सेल्फी, ऑडियो और वीडियो है जिससे समाज में उसकी छवि को नुकसान पहुंच सकता है। पुथिला ने 2023 के विधानसभा चुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ा था। बाद में वह भाजपा में फिर से शामिल हो गए थे।

मुलाकात

सोमवार को नई दिल्ली में संसद भवन में कर्नाटक विधानसभा के अध्यक्ष यूटी खादर ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात की।

# बजट घोषणाओं का समयबद्ध धरातल पर क्रियान्वयन सुनिश्चित हो : जोगाराम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। संसदीय कार्य,विधि एवं न्याय मंत्री जोगाराम पटेल की अध्यक्षता में सोमवार को जोधपुर जिले कि पंचायत समिति लूणी के सभागार में सोमवार को उच्च शिक्षा विभाग,शिक्षा विभाग एवं समग्र शिक्षा अभियान की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित हुई। संसदीय कार्य, विधि एवं न्याय मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश सरकार का एक ही ध्येय है कि बजट घोषणाओं का समयबद्ध तरीके से धरातल पर क्रियान्वयन सुनिश्चित हो। उन्होंने कहा कि विभागीय समन्वय एवं प्रभावी मॉनिटरिंग के माध्यम से कार्य संपादित करें।

पटेल ने कहा शिक्षक राष्ट्र निर्माण का कार्य निर्भीक एवं निष्पक्ष होकर विद्यालय एवं छात्रों के हित में करें।उन्होंने कहा संस्था प्रधान विद्यालय को स्वच्छ एवं सुन्दर बनाने के लिए विशेष प्रयास करें। पटेल ने कहा कि हमें मिलकर जोधपुर को शिक्षा के क्षेत्र में प्रदेश का सर्वश्रेष्ठ जिला बनाना है। उन्होंने एसडीएमसी एवं एसएमसी की बैठक नियमित रूप से करने एवं दानदाताओं के सहयोग से विद्यालय में अवसंरचना विकास करवाने के लिए निर्देशित किया।

संसदीय कार्य मंत्री ने उच्च शिक्षा विभाग के प्राचार्यों को बजट घोषणा में स्वीकृत नवीन महाविद्यालयों का अस्थाई भवन में संचालन करने,सभी महाविद्यालयों के भवन की छत पर सोलर पैनल लगाने एवं जल संरक्षण के लिए रैन वाटर हार्वेस्टिंग के निर्देश दिए। उन्होंने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत लगाए गए पौधों की सुरक्षा एवं पालन करने के निर्देश दिए।

पटेल ने महाविद्यालय में अवसंरचना विकास एवं टीचिंग एवं नॉन टीचिंग फ़ैकल्टी की आवश्यकता के प्रस्ताव बनाकर विभाग को भिजवाने के निर्देश दिए।

बैठक में उच्च शिक्षा विभाग की बजट घोषणा में नवीन महाविद्यालयों के अस्थाई संचालन,भूमि आवंटन एवं भवन निर्माण कार्य की अद्यतन प्रगति की समीक्षा गई।साथ ही विभाग की स्वामी विवेकानंद स्कॉलरशिप फॉर एकेडमिक एक्सीलेंस योजना,कालीबाई भील एवं देवनारायण स्कूटी योजना सहित सभी फ्लैगशिप योजनाओं की समीक्षा की गई।

संसदीय कार्य मंत्री पटेल ने समग्र शिक्षा अभियान की प्रगति की समीक्षा की।उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा गत शैक्षणिक सत्र में जोधपुर जिले से भवन निर्माण संबंधी 2700 प्रस्ताव भिजवाए गए जिसमें केवल 154 प्रस्ताव स्वीकृत हुए। उन्होंने समसा के अधिकारियों एवं संस्था प्रधानों को यू डायस कोड एवं रिपोर्ट में सही जानकारी भरकर इस शैक्षणिक सत्र के प्रस्ताव भिजवाने के निर्देश दिए।

## जयपुर सहित राज्य के कई जिलों में भारी बारिश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में मानसून के एक बार फिर जोर पकड़ने से राजधानी जयपुर सहित कई जिलों में भारी बारिश हुई और यह दौर जारी रहने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के जयपुर केंद्र के अनुसार, सोमवार सुबह साढ़े आठ बजे तक 24 घंटे की अवधि के दौरान पश्चिमी राजस्थान में कहीं-कहीं पर तथा पूर्वी राजस्थान में अनेक स्थानों पर मेघगर्जन के साथ बारिश हुई। इस दौरान अलवर, सीकर, अजमेर व नागौर जिले में कहीं-कहीं भारी बारिश तथा जयपुर जिले में कहीं-कहीं अति भारी बारिश दर्ज की गई। सबसे अधिक बारिश जयपुर में 120.4 मिलीमीटर, जयपुर के सांगानेर में 94 मिलीमीटर, अलवर के थानागाजी में 77 मिलीमीटर और सीकर के श्रीमाधोपुर तथा नागौर के नावां में 72-72 मिलीमीटर बारिश हुई। इसके अनुसार, एक नए मौसमी तंत्र के प्रभाव से पूर्वी राजस्थान के अनेक भागों में बारिश की गतिविधियों में बढ़ोतरी होगी तथा कहीं-कहीं भारी बारिश की गतिविधियां आगामी एक सप्ताह तक जारी रहने की प्रबल संभावना है। इस दौरान पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर, बीकानेर संभाग के कुछ भागों में हल्की मध्यम बारिश होने तथा दो-तीन सितंबर से कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।

# स्वच्छता की राह पर आगे बढ़ रहा उदयपुर : कटारिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पर्यटन की दृष्टि से देश के सिरमौर शहरों में शामिल झीलों की नगरी, उदयपुर अब स्वच्छता की राह में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। उदयपुर विकास प्राधिकरण के क्षेत्राधिकार वाले इलाकों में बरसों से चल रही आ रही सफाई और घर-घर कचरा संग्रहण की समस्या के स्थाई समाधान को लेकर पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया, शहर विधायक ताराचंद जैन व उदयपुर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा की पहल आखिरकार रंग लाई। राज्यपाल कटारिया के निर्देशों पर नगर निगम ने यूडीए क्षेत्र की सफाई व्यवस्था की कमान संभाल ली है। सोमवार को नगर निगम परिसर से अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों ने कचरा संग्रहण वाहनों को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इसके साथ ही युडीए क्षेत्र के जोन 1 व 2 में घर-घर कचरा संग्रहण का कार्य प्रारंभ हो गया। जोन 3 व 4 को लेकर भी टेण्डर प्रक्रियाधीन हैं तथा जल्द ही वहां पर भी सफाई व्यवस्था माकूल हो जाएगी।

उदयपुर शहर में नगर निगम के क्षेत्राधिकार वाले इलाकों में निगम की ओर से रोड सफाई से लेकर घर-घर कचरा संग्रहण का कार्य किया जा रहा है। तत्कालीन यूआईटी क्षेत्रों में कचरा संग्रहण की जिम्मेदारी यूआईटी संभाल रहा था, लेकिन पर्याप्त संसाधनों के अभाव में कचरा संग्रहण कार्य की प्रभावी मॉनिटरिंग नहीं होने से दिक्कतें आ रही थी। तत्कालीन समय में गुलाबचंद कटारिया ने यूआईटी क्षेत्र में भी सफाई की व्यवस्था नगर निगम के माध्यम से किए जाने के निर्देश दिए। उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन और ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा ने भी इन प्रयासों को आगे बढ़ाया। जिला कलक्टर अरविन्द पोसवाल ने इसे गंभीरता से लेते हुए तत्कालीन युआईटी और वर्तमान यूडीए क्षेत्र का भ्रमण कर स्थिति की जानकारी ली। इसके पश्चात यूडीए और नगर निगम के जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की लगातार बैठकें लेकर संपूर्ण उदयपुर शहर की सफाई व्यवस्था माकूल करने पर जोर दिया। जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की पहल पर आखिरकार नगर निगम ने यूडीए क्षेत्र की व्यवस्था भी अपने हाथ में लेने की सहमति दी। इसका भुगतान यूडीए की ओर से नगर निगम को किया जाना तय किया गया। युडीए क्षेत्र को 4 जोन में विभक्त करते हुए टेण्डर प्रक्रिया की गई। यूडीए जोन 1 व 2 की टेण्डर प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद सोमवार से सफाई एवं घर-घर कचरा संग्रहण का कार्य प्रारंभ हुआ। नगर निगम परिसर में सोमवार सुबह उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन, उदयपुर ग्रामीण विधायक फूल सिंह मीणा, महापौर गोविन्दसिंह टांक, जिला कलेक्टर अरविंद पोसवाल, यूडीए आयुक्त राहुल जैन, निगम आयुक्त राम प्रकाश, उप महापौर पारस सिंघवी ने कचरा संग्रहण वाहनों को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया।

## श्रद्धांजलि

रैवासा पीठाधीश्वर स्वामी राघवाचार्य वेदांती के देवलोक गमन होने पर उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी सोमवार को रैवासा पीठ पहुँच कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उनका जीवन हमेशा वेदों और संस्कृति के प्रचार के लिए समर्पित रहा।

## कांस्टेबल रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम ने सोमवार को अजमेर में पुलिस के हेड कांस्टेबल को कथित तौर पर 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। ब्यूरो के यहां जारी बयान के अनुसार, पुलिस थाना आदर्श नगर के हेड कांस्टेबल सुरेश चंद को गिरफ्तार किया गया है। इसमें कहा गया है कि परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि उसके विरुद्ध दर्ज मामले में राजीनामा करवाने की एवज में आरोपी हेड कांस्टेबल सुरेश चंद 10 हजार रुपये रिश्वत मांगकर उसे परेशान कर रहे हैं। टीम ने शिकायत का सत्यापन कर सोमवार को आरोपी हेड कांस्टेबल को परिवादी से 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार कर लिया।

## अकबर को महान बताने वाली किताबें जला देंगे : दिलावर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने रविवार को कहा कि मुगल बादशाह अकबर का महिमामंडन करने वाली और उन्हें 'महान' बताने वाली किताबों को जला दिया जाएगा। मंत्री ने उदयपुर में मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के विवेकानंद सभागार में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि अकबर की तुलना महाराणा प्रताप से करना राजपूत योद्धा और राजस्थान के गौरव का अपमान है।

दिलावर ने महाराणा प्रताप को लोगों का रक्षक बताया जिन्होंने कभी आक्रांताओं के सामने झुकना स्वीकार नहीं किया जबकि अकबर ने अपने फायदे के लिए कई लोगों को मरवाया। उन्होंने कहा,अकबर की तुलना महाराणा प्रताप से करना व अकबर को महान बताना, ये मूर्खता थी।

# महिला-बालिका अत्याचार के खिलाफ छात्राओं ने निकाली शान्ति रैली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। राजस्थान के अजमेर में प्रतिष्ठित निजी कालेज-स्कूल छात्राओं ने आज महिला-बालिका अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाते हुए 'शांति रैली' निकाली तथा जिला कलक्टर डा. भारती दीक्षित को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपकर महिला-बालिका सुरक्षा की मांग की। अजमेर के जयपुर रोड स्थित अंग्रेजी माध्यम वाले 'सोफिया गर्ल्स कालेज' की सैंकड़ों छात्राओं ने महाविद्यालय से रैली निकाली। छात्राएं हाथों में तख्तियां लिए 'वी वांट जस्टिस' के नारे लगा रही थी।

छात्राओं ने जिलाधीश परिसर में कलक्टर डा.भारती दीक्षित और पुलिस अधीक्षक देवेंद्र विश्नोई के समक्ष नुक्कड़ नाटक के जरिए विरोध प्रदर्शन भी किया। छात्राओं ने महिला अपराध पर जल्द न्याय दिलाने, अपराधियों को सजा दिलाने की मांग करते हुए सरकार से सवाल किया कि महिलाओं पर अत्याचार कब तक चलेगा? उन्होंने महिला सुरक्षा पर ठोस कदम उठाने की मांग की। प्राचार्य डा. सिस्टर पर्ल ने भी देश-प्रदेश में महिलाओं पर अत्याचार के प्रति चिन्ता व्यक्त की। उन्होंने भी बंगाल सहित अन्य घटनाओं पर जल्द न्याय दिलाने की मांग की। आज के प्रदर्शन को महिला जन अधिकार समिति की इन्दिरा पंचोली एवं सोनिया बीजावत का समर्थन रहा।

# एसआई भर्ती परीक्षा पेपर लीक मामले में आरपीएससी का पूर्व सदस्य गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान पुलिस के विशेष कार्य समूह (एसओजी) ने उप निरीक्षक (एसआई) भर्ती परीक्षा के पेपर लीक मामले में कथित संलिप्तता के आरोप में राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) के पूर्व सदस्य रामूराम राईका को गिरफ्तार किया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एसओजी ने रविवार को राईका के बेटे और बेटी के साथ-साथ तीन अन्य प्रशिक्षु एसआई को भी पेपर लीक मामले में कथित संलिप्तता के आरोप में गिरफ्तार किया। अतिरिक्त महानिदेशक (एसओजी) वीके सिंह ने सोमवार को 'पीटीआईभाषा' को बताया, आरपीएससी के पूर्व सदस्य राईका को उप निरीक्षक (एसआई) भर्ती परीक्षा का पेपर अपने बच्चों को उपलब्ध कराने के आरोप में रविवार देर रात गिरफ्तार किया गया। उन्होंने कहा कि राईका को सोमवार को अदालत में पेश किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि उप निरीक्षक (एसआई) भर्ती परीक्षा के पेपर लीक मामले में कथित संलिप्तता के आरोप में रविवार को दो महिलाओं समेत पांच प्रशिक्षु उप-निरीक्षकों को गिरफ्तार किया गया था। सभी पांचों आरोपियों को अदालत में पेश किया गया जहां से उन्हें सात सितंबर तक पुलिस अभिरक्षा में भेज दिया गया। एसओजी के आधिकारिक बयान के अनुसार गिरफ्तार प्रशिक्षुओं में रामूराम राईका की बेटी शोभा राईका और उनका बेटा देवेश राइका शामिल हैं। बयान के अनुसार गिरफ्तार तीन अन्य प्रशिक्षु एसआई में मंजू देवी, अविनाश पलसानिया और विजेंद्र कुमार शामिल हैं।

इन सभी पांचों प्रशिक्षुओं को शनिवार को राजस्थान पुलिस अकादमी (आरपीए) से हिरासत में लिया गया और पूछताछ के लिए एसओजी कार्यालय लाया गया। उप-निरीक्षक भर्ती परीक्षा-2021 के पेपर लीक मामले में अब तक 61 आरोपियों के खिलाफ तीन अलग-अलग आरोप पत्र पेश किए जा चुके हैं। इन 61 आरोपियों में 33 प्रशिक्षु उप-निरीक्षक, चार चयनित उम्मीदवार जिन्होंने नौकरी ज्वाइन नहीं और पेपर लीक गिरोह से जुड़े 24 लोग शामिल हैं। बयान के अनुसार, 65 अन्य आरोपियों की तलाश अभी जारी है।

# कृषकों की होगी राह आसान किसानों को कृषि यंत्र खरीद पर मिलेगा 50% तक अनुदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। खेतीकिसानी में कृषकों द्वारा बुआई, जुताई और बिजाई जैसे कठोर कार्य किये जाते हैं। इन्हीं कार्यो को सुगम बनाने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा सब मिशन ऑन एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन योजना के प्रावधानों के अन्तर्गत किसानों को आधुनिक कृषि यंत्रों पर अनुदान देकर लाभान्वित किया जायेगा, जिससे किसानों पर आर्थिक भार कम पडेगा और कृषि कार्य आसान हो जायेंगे साथ ही किसानों की आय में भी वृद्धि होगी। कृषि आयुक्त कन्हैया लाल स्वामी ने बताया कि योजना के अन्तर्गत राज्य में लगभग 66 हजार किसानों को 200 करोड़ रूपये का अनुदान दिये जाने का प्रावधान रखा गया है। इसके लिए कृषक 13 सितम्बर तक ऑनलाईन आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि कृषि यंत्रों पर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, लघु, सीमान्त एवं महिला किसानों को ट्रेक्टर की बीएचपी के आधार पर लागत का अधिकतम 50 प्रतिशत तक तथा अन्य श्रेणी के कृषकों को लागत का अधिकतम 40 प्रतिशत तक अनुदान दिया जायेगा। लघु एवं सीमान्त श्रेणी के किसानों को ऑन-लाईन आवेदन से पूर्व जन आधार में लघु एवं सीमान्त श्रेणी जुड़वाना आवश्यक है, आवेदन के दौरान उक्त प्रमाण पत्र संलग्न करना होगा।

कृषि आयुक्त ने बताया कि राज किसान साथी पोर्टल पर ई-मित्र के माध्यम से जनाधार कार्ड, जमाबंदी की नकल, कृषि यंत्र का कोटेशन आदि दस्तावेजों की सहायता से ऑन-लाईन आवेदन कर सकते हैं। किसानों को राज्य में प्रचलित ट्रैक्टर संचालित सभी प्रकार के कृषि यंत्र जैसे रोटावेटर, थ्रेसर, कल्टीवेटर, बंडफार्मर, रीपर, सीड कम फर्टिलाइजर ड्रिल, डिस्क हेरो, प्लॉउ आदि यंत्रों पर अनुदान दिया जायेगा। किसान द्वारा कृषि यंत्रों को पंजीकृत फर्म से खरीदने तथा सत्यापन के बाद अनुदान उनके जनाधार से जुड़े बैंक खाते में हस्तान्तरित किया जायेगा।

# 'चालो-चालो रुणीचा धाम, बण जासी रे थारां काम'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीकानेर । चालो-चालो रुणीचा धाम, बण जासी रे थारां काम, चाल रे भायला रुणीचेभजन की यह पंक्तियां जैसलमेर रोड पर इन दिनों साकार हो रही है। हाथों में ध्वजा। जुबां पर बाबा रामदेवजी के जयकारे। झूमते-नाचते और कंधों पर जरुरत का सामान लटाकाए आगे बढ़ते पदयात्री। अवसर है लोक देवता बाबा रामदेवजी के दर्शन के लिए पैदल जाने वालों का। सोमवार को सोमवती अमावस्या होने के कारण बड़ी में श्रद्धालु बाबा रामदेवजी के दर्शन के लिए निकल पड़े हैं। बीकानेर के आसपास के गांवों, पंजाब, हरियाणा, गंगानगर, हनुमानगढ़, नौहर सहित आसपास के क्षेत्रों से निकले पदयात्री आज बीकानेर होकर आगे बढ़ रहे हैं। बाबा के जयकारों से राजमार्ग गूंजने लगा है। यह सिलसिला अभी दो-तीन दिन तक रहेगा।

पदयात्रियों के लिए रास्ते में सेवा शिविर भी मुस्तैद हो गए हैं। बीकानेर जैसलमेर रोड पर कई स्थानों पर चाय-नाश्ता की सेवा की जा रही है। वहीं नाल, गजनेर, कोलायत, दियतरा, नोखड़ा, कानजी सिड, शेखासर, डाली बाई, रामदेवरा तक पद यात्रियों की सेवा में दर्जनों संस्थाएं मुस्तैदी के साथ जुट गए हैं।

गजनेर में आरसीटी का शिविर चल रहा है। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के लिए चाय, नाश्ता,भोजन की व्यवस्था की गई है। रामदेव चेरिटेबल ट्रस्ट (कोलकाता) अशोक पुरोहित ने बताया कि बीकानेर से 27 किमी दूरी पर गजनेर के समीप यह सेवा शिविर लगाया गया है, यह कल शाम तक जारी रहेगा। सोमवार को गंगानगर, हनुमानगढ़ व अन्य आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में पदयात्री आए है, जो रामदेवरा जा रहे हैं। उनके लिए शीतल जल, छांव, चाय-नाश्ता और भोजन की व्यवस्था की गई है।

गजनेर फांटे पर माताजी मंदिर के समीप ही रुणीचा सेवा समिति के तत्वावधान में यात्रियों के लिए सेवा शिविर लगाया गया है।

# सीआईडी अपराध शाखा के 103 पुलिसकर्मी सम्मानित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सीआईडी अपराध शाखा के 103 पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को सोमवार को पुलिस मुख्यालय के चतुर्थ तल पर आयोजित अलंकरण समारोह में डीजीपी डिस्क, अति उत्कृष्ट सेवा पदक, उत्कृष्ट सेवा पदक, सर्वोत्तम सेवा चिन्ह एवं अति उत्तम सेवा चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस अपराध राजस्थान, जयपुर दिनेश एम एन एवं महानिरीक्षक पुलिस प्रफुल्ल कुमार द्वारा इस अवसर पर उत्कृष्ट, सराहनीय एवं प्रशंसनीय सेवाएं प्रदान करने वाले 33 पुलिस अधिकारियों व कर्मियों को डीजीपी डिस्क, 14 पुलिसकर्मियों को अति उत्कृष्ट सेवा पदक, 20 पुलिस कर्मियों को उत्कृष्ट सेवा पदक, 14 पुलिस कर्मियों को सर्वोत्तम सेवा चिन्ह तथा 22 पुलिस कर्मियों को अति उत्तम सेवा चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया।

इस अवसर पर एडीजी क्राइम एमएन ने सम्मानित होने वाले पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप सभी आने वाले समय में और अधिक जोश व ऊर्जा के साथ अपने कार्य क्षेत्र में प्रदत कर्तव्यों का पूर्ण निष्ठा के साथ पालन करें।

डीजीपी डिस्क से सम्मानित होने वालों में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोरधन लाल सौंकरिया, सतीश कुमार यादव, शालिनी राज, भरत राज, पुलिस उप अधीक्षक प्रवेंद्र सिंह महला, ओमप्रकाश मीना, पुलिस निरीक्षक उमेश बेनीवाल, अन्तिम शर्मा, राम सिंह नाथावत, बृजभान सिंह (सेवानिवृत्त), उप निरीक्षक कदीर खान, सहायक उप निरीक्षक मुकेश राजावत व अमरचंद, हेड कांस्टेबल मोहम्मद यूनुस खान, बृजेश कुमार निगम, उस्मान अली, सुरेंद्र कुमार शर्मा व शंकर दयाल शर्मा, कांस्टेबल भूपेंद्र कुमार, महेंद्र कुमार, दिनेश कुमार, नेतराम सैनी, अशोक सिंह, अशोक कुमार वर्मा, रामचंद्र, गिरवर सिंह, मनोज कुमार, नरेंद्र कुमार सैनी, सुभाष चन्द गोरेड़ा, सूरजमल, शंकर लाल, मनीष कुमार एवं अमन कुमार शामिल है।

# पुलिस तकनीक-जानकार बनें और दयालु स्वभाव रखें : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**मुरादाबाद/भाषा।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'स्मार्ट पुलिसिंग' की अवधारणा पर जोर देते हुए सोमवार को कहा कि पुलिसकर्मी तकनीक-जानकार बनें और दयालु स्वभाव रखें। उन्होंने यह भी दावा किया कि बेहतरीन पुलिस व्यवस्था की वजह से ही पिछले सात वर्षों के दौरान राज्य में एक भी दंगा नहीं हुआ।

मुख्यमंत्री ने मुरादाबाद स्थित डॉ. भीमराव आंबेडकर पुलिस अकादमी में 74 पुलिस उपाधीक्षकों के दीक्षांत परेड समारोह को संबोधित करते हुए इन नये पुलिस अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे 'मित्र पुलिस' की छवि को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए अपना शत प्रतिशत योगदान देंगे। उन्होंने कहा, ''किसी भी प्रदेश में सुशासन की नींव अपराधों की रोकथाम और कानून-व्यवस्था की स्थापना से ही मजबूत होती है। यह तभी संभव हो सकता है जब प्रदेश में जवाब देह व्यवस्था और व्यावसायिक रूप से दक्ष संवेदनशील पुलिस बल हो।'' उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्मार्ट पुलिसिंग की अवधारणा दी है जो सख्त हो लेकिन उतनी ही संवेदनशील भी हो। मुख्यमंत्री ने कहा, ''पुलिस को आधुनिक तथा गतिशील, अपने कर्तव्यों के प्रति सतर्क तथा जवाबदेह, तकनीक जानकार और दयालु होना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''हम सभी जानते हैं कि जांच और सजा के पुराने तरीकों से आगे बढ़कर आधुनिक फॉरेंसिक तकनीकों और सबूतों का इस्तेमाल न केवल न्याय की दृष्टि से बेहतर है, बल्कि जांच में लगने वाले अनावश्यक खर्च और श्रम को कम करने में भी सहायक है।'' आदित्यनाथ ने कहा, ''दक्ष पुलिस व्यवस्था की वजह से ही पिछले सात वर्षों के दौरान प्रदेश में एक भी दंगा नहीं हुआ। आज यही उत्तर प्रदेश सुशासन के मॉडल के रूप में देखा जा रहा है इसमें एक बड़ी भूमिका उत्तर प्रदेश के हमारे बहादुर के जवानों की सेवा की है। आज 'रूल ऑफ लॉ' के माध्यम से उत्तर प्रदेश ने अपने बारे में दुनिया के दृष्टिकोण को बदलने में कामयाबी हासिल की है।''

मुख्यमंत्री ने प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके पुलिस उपाधीक्षकों से मुखातिब होते हुए कहा, ''आपसे हम इस बात की अपेक्षा करते हैं कि आम जनता की सुरक्षा, समाज में शांति और सौहार्द बनाए रखने और एक मित्र पुलिस की छवि को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए आप अपना शत प्रतिशत योगदान देंगे।''

## आपराधिक कृत्यों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो लेकिन इसे सांप्रदायिक रंग नहीं देना चाहिए : नकवी

**नई दिल्ली/भाषा।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने सोमवार को कहा कि किसी भी आपराधिक कृत्य के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए लेकिन इसे सांप्रदायिक रंग नहीं दिया जाए।

उन्होंने भाजपा शासित हरियाणा और महाराष्ट्र में मुस्लिम व्यक्तियों को निशाना बनाने संबंधी भीड़ द्वारा हिंसा की दो घटनाओं के मद्देनजर यह टिप्पणी की। इन घटनाओं पर कांग्रेस नेताओं की टिप्पणियों के बारे में पूछे जाने पर, नकवी ने कहा कि आपराधिक कृत्यों को सांप्रदायिक रंग देने के पैरोकार लोग देश में सौहार्द और भाईचारे को इरादतन तार-तार करने की कोशिश कर रहे हैं।

पूर्व अल्पसंख्यक कार्य मंत्री ने कहा कि ''हिंदुत्व का भय और इस्लामोफोबिया की दहशत पैदा करने की साइबर साजिश'' देश में अराजकता फैलाने का षडयंत्र है। उन्होंने कहा कि समाज की सुरक्षा व सौहार्द को सर्वोच्च महत्व देते हुए, किसी भी आपराधिक कृत्य के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए लेकिन किसी को भी आपराधिक कृत्य को सांप्रदायिक रंग देने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

पश्चिम बंगाल के एक मुस्लिम प्रवासी की 27 अगस्त को हरियाणा के चरखी दादरी में, बीफ खाने के संदेह को लेकर कथित तौर पर गोरक्षकों ने पीटकर हत्या कर दी थी। महाराष्ट्र में, एक बुजुर्ग व्यक्ति के पास बीफ होने के संदेह में, एक ट्रेन में उसके साथ दुर्व्यवहार किया गया और पिटाई की गई। वह कल्याण जा रहा था।

## निर्धारित कानूनी प्रक्रिया का पालन किए बिना मकानों को कैसे ध्वस्त किया जा सकता है : न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** आपराधिक मामलों में शामिल व्यक्तियों के मकानों को राज्य प्रशासनों द्वारा बुलडोजर से ध्वस्त किये जाने के बीच, उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को सवाल किया कि किसी का मकान सिर्फ इसलिए कैसे गिराया जा सकता है कि वह एक आरोपी है? शीर्ष अदालत ने कहा कि वह इस मुद्दे पर दिशानिर्देश तैयार करेगी जो पूरे देश में लागू होंगे।

न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने कहा, किसी का मकान सिर्फ इसलिए कैसे गिराया जा सकता है क्योंकि वह एक आरोपी है? भले ही वह दोषी हो, फिर भी कानून द्वारा निर्धारित प्रक्रिया का पालन किए बिना ऐसा नहीं किया जा सकता। हालांकि, उच्चतम न्यायालय ने यह स्पष्ट किया कि वह किसी भी अनधिकृत निर्माण या सार्वजनिक सड़कों पर अतिक्रमण को संरक्षण नहीं देगा। उत्तर प्रदेश की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इस मामले में राज्य द्वारा पहले दायर हलफनामे का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि हलफनामे में कहा गया है कि सिर्फ इसलिए कि किसी व्यक्ति पर किसी अपराध में शामिल होने का आरोप है, उसकी अचल संपत्ति को ध्वस्त करने का आधार कभी नहीं हो सकता।

मेहता ने कहा कि राज्य ने कहा है कि किसी अचल संपत्ति का ध्वस्तीकरण केवल किसी प्रकार के उल्लंघन के लिए और संबंधित नगरपालिका कानून या क्षेत्र के विकास प्राधिकरणों को नियंत्रित करने वाले कानून में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार'' हो सकता है। उन्होंने कहा कि किसी भी अचल संपत्ति को केवल इस आधार पर ध्वस्त नहीं किया जा सकता कि उस संपत्ति का मालिक या उस पर कब्जा करने वाला व्यक्ति किसी अपराध में शामिल था।

पीठ ने कहा, यदि आप इस स्थिति को स्वीकार करते हैं, तो हम इसे दर्ज करेंगे और सभी राज्यों के लिए दिशा-निर्देश जारी करेंगे। शीर्ष अदालत ने कहा, हम सार्वजनिक सड़कों पर किसी भी अनधिकृत निर्माण या अतिक्रमण को संरक्षण नहीं देंगे। यहां तक कि सार्वजनिक सड़कों पर बने मंदिरों को भी संरक्षण नहीं देंगे। मेहता ने कहा कि इस मुद्दे पर राज्यों के साथ चर्चा की जाएगी ताकि इसका समाधान निकाला जा सके।

## चिकित्सक दुष्कर्म-हत्या मामला: बंगाल में भाजपा का प्रदर्शन, पूर्व केंद्रीय मंत्री गिरफ्तार

**कोलकाता/भाषा।** पिछले महीने कोलकाता के एक सरकारी अस्पताल में एक चिकित्सक के साथ कथित बलात्कार और हत्या के खिलाफ सोमवार को प्रदर्शन के दौरान कूचबिहार में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं की पुलिस के साथ झड़प हुई। इसके बाद पूर्व केंद्रीय मंत्री निसिथ प्रमाणिक को गिरफ्तार कर लिया गया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक की मौत के विरोध में पश्चिम बंगाल के विभिन्न जिलों में रैलियां निकालीं।

बर्धमान, मालदा, कूचबिहार और झारग्राम सहित अन्य स्थानों पर जिलाधिकारियों के कार्यालयों के समक्ष रैलियां आयोजित की गईं। कूचबिहार में प्रदर्शनकारियों ने कथित तौर पर पुलिस पर पथराव किया और पुलिस ने उन्हें तितर-बितर करने के लिए लाठियों और आंसू गैस का इस्तेमाल किया, जिसके कारण बड़े पैमाने पर हंगामा हुआ। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि रैली का नेतृत्व करने वाले पूर्व केंद्रीय मंत्री निसिथ प्रमाणिक सहित 22 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने राज्य भर में जिलाधिकारियों के कार्यालयों के सामने बैरिकेड लगा दिए थे जिन्हें भाजपा कार्यकर्ताओं ने तोड़ने की कोशिश की। भाजपा कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और कोलकाता पुलिस आयुक्त विनीत गोयल के इस्तीफे की मांग की। कोलकाता के आर जी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के संगोष्ठी कक्ष में नौ अगस्त को महिला चिकित्सक का शव बरामद किया गया था और चिकित्सक के साथ कथित दुष्कर्म तथा हत्या के सिलसिले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया था। इस घटना से देशभर में आक्रोश उत्पन्न हुआ और कलकत्ता उच्च न्यायालय के निर्देश पर केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) मामले की जांच कर रहा है।

## कोलकाता पुलिस आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर जूनियर डॉक्टरों का प्रदर्शन

**कोलकाता/भाषा।** कोलकाता के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों के जूनियर डॉक्टरों ने यहां पुलिस आयुक्त विनीत गोयल के इस्तीफे की मांग को लेकर सोमवार को पुलिस मुख्यालय लालबाजार तक एक रैली निकाली। जूनियर डॉक्टरों ने 14 अगस्त को आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में हुई तोड़फोड़ को रोकने में पुलिस पर निष्क्रियता के आरोप लगाए हैं। आंदोलनकारी डॉक्टरों को लालबाजार की ओर जाने वाले बी.बी. गांगुली मार्ग पर लगाये गए अवरोधकों से पहले ही रोक दिया गया। इन डॉक्टरों ने कहा कि उनकी यह रैली शांतिपूर्ण थी और उनके प्रतिनिधि पुलिस आयुक्त से मिलना चाहते थे। उन्होंने मांग की कि रैली को पुलिस मुख्यालय की ओर आगे बढ़ने दिया जाए। उन्होंने कहा कि उन्हें लालबाजार से काफी पहले ही रोक दिया गया। रोके जाने के बाद आंदोलनकारी डॉक्टर वहीं सड़क पर बैठ गए एवं नारे लगाने लगे।

प्रदर्शनकारियों ने रीढ़ की हड्डी की प्रतिकृति और लाल गुलाब ले रखे थे। उनका कहना था कि ये पुलिस के नागरिकों की सुरक्षा के कर्तव्य पर जोर देने के लिए हैं। उनके हाथों में राष्ट्रध्वज एवं नारे लिखे तख्तियां भी थीं। इन तख्तियों पर डॉक्टरों समेत सभी के लिए इंसाफ एवं सुरक्षा की मांग की गयी थी। कुछ तख्तियों पर गोयल की तस्वीर थी जिसके नीचे उनके इस्तीफे की मांग संबंधी नारे लिखे गए थे। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस आयुक्त का पुतला भी फूंका।

## सपा लाल और सफेद जालीदार टोपी के बीच झूलती रहती है : केशव प्रसाद मौर्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**लखनऊ/भाषा।** उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने समाजवादी पार्टी (सपा) पर तंज कसते हुए सोमवार को कहा कि सपा लाल और सफेद जालीदार टोपी के बीच झूलती रहती है।

राज्य के प्रमुख विपक्षी दल सपा की लाल टोपी को लेकर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता अक्सर टिप्पणी करते रहते हैं।

पिछले माह के आखिरी सप्ताह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कानपुर में एक जनसभा में सपा पर निशाना साधते हुए कहा था, इनकी टोपी लाल है, लेकिन कारनामे काले हैं और इनका इतिहास काले कारनामों से भरा पड़ा है।

उपमुख्यमंत्री मौर्य ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने एक पोस्ट में कहा, ''सपा के साथ टोपी का खेल ही निराला है। सिर पर लाल टोपी और पायजामा की जेब में सफेद जालीदार टोपी रखते हैं।''

मौर्य ने कहा कि इन दोनों टोपियों (लाल और सफेद जालीदार टोपी) के बीच सपा झूलती रहती है। उन्होंने दावा किया कि 2027 के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 2017 का प्रदर्शन दोहराएगी।

सफेद जालीदार टोपी मुसलमान लगाते हैं। वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में करीब 14 वर्ष के बाद उप्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी थी और तब पार्टी ने राज्य की 403 विधानसभा सीटों में से सहयोगी दलों समेत कुल 325 सीटों पर जीत हासिल की थी। केशव प्रसाद मौर्य 2017 के विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष थे।

समाजवादी पार्टी (सपा) को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कथित आपत्तिजनक बयान के बाद पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने 30 अगस्त को कन्नौज में पलटवार करते हुए कहा था कि ''रंग अच्छा बुरा नहीं होता, नजरिया अच्छा बुरा होता है।''

यादव ने मुख्यमंत्री योगी के लाल टोपी वाले बयान पर तंज कसते हुए कहा था कि योगी जी अभी लोकसभा चुनाव में मिली हार के सदमे से उबर नहीं पा रहे हैं।

अखिलेश यादव ने 'एक्स' पर लिखा था, लाल रंग मिलन का प्रतीक होता है। जिनके जीवन में प्रेम-मिलन, मेल-मिलाप का अभाव होता है, वे अक्सर इस रंग के प्रति दुर्भावना रखते हैं। लाल रंग शक्ति का धारणीय रंग है, इसलिए कई पूजनीय शक्तियों से इस रंग का सकारात्मक संबंध है, लेकिन जिन्हें अपनी शक्ति ही सबसे बड़ी लगती है, वे लाल रंग को चुनौती मानते हैं। उन्होंने कहा, इसी संदर्भ में यह मनोवैज्ञानिक मिथक भी प्रचलित हो चला कि इसी कारण शक्तिशाली सांड भी लाल रंग देखकर भड़कता है। काला रंग भारतीय संदर्भों में विशेष रूप से सकारात्मक है। जैसे बुरी नजर से बचाने के लिए घर-परिवार के बच्चों को लगाया जाने वाला काला टीका और सुहाग के प्रतीक मंगलसूत्र में काले मोतियों का इस्तेमाल।

## ओडिशा के अधिकारियों को बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान करने को कहा गया : मुख्यमंत्री माझी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**भुवनेश्वर/भाषा।** ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने सोमवार को विधानसभा में कहा कि उनकी सरकार ने सभी जिलाधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों को बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान करने का निर्देश दिया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक भास्कर मधेई के सवाल के लिखित उत्तर में माझी ने कहा कि विभिन्न स्थानों, विशेषकर केन्द्रपाड़ा जिले में, जहां कथित तौर पर अधिकांश अवैध प्रवासियों के रहने की बात कही गई है, में घुसपैठियों की पहचान करने के लिए तहसीलों, प्रखंडों और पुलिस थानों के अधिकारियों की समितियां गठित करने का निर्देश जारी किया गया है।

विधानसभा में दिए गए एक अन्य बयान में मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2021 तक कुल 3,740 बांग्लादेशी घुसपैठिए राज्य में अवैध रूप से रह रहे थे। उन्होंने बताया कि इन अवैध घुसपैठियों में 1,649 केंद्रपाड़ा जिले में, 1,112 जगतसिंहपुर में, 655 मल्कानगिरी में, 199 भद्रक में, 106 नबरंगपुर में, 17 लोग खुर्दा जिले में और दो व्यक्ति बारगढ़ जिले में रहते हैं।

माझी ने विधानसभा को बताया कि उन्हें वापस उनके देश भेजने का प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है। मुख्यमंत्री के मुताबिक बांग्लादेश की हालिया राजनीतिक उथल-पुथल के मद्देनजर वहां से होने वाली घुसपैठ को रोकने के लिए ओडिशा में सुरक्षा के कड़े उपाय किए गए हैं।

विपक्षी बीजू जनता दल (बीजद) के विधायक बिभूति भूषण बलवंतराय के सवाल का उत्तर देते हुए माझी ने कहा कि राज्य की समुद्री सीमा पर नियमित अंतराल पर गश्त की जा रही है और कड़ी निगरानी रखी जा रही है। मुख्यमंत्री ने सदन को सूचित किया कि गृह मंत्रालय द्वारा उपलब्ध कराई गई राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर कार्ड रीडर मशीन का इस्तेमाल भारतीय और विदेशी नागरिकों की पहचान के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, ओडिशा के सभी तटीय जिलों के पुलिस अधीक्षकों को सतर्क रहने और बांग्लादेशी घुसपैठियों को रोकने के लिए जलमार्गों पर गश्त बढ़ाने के निर्देश दिये गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य खुफिया शाखा ने भी अपने अधिकारियों को मछुआरों के संगठनों और मछली पकड़ने वाली नौकाओं के मालिकों के निकायों के संपर्क में रहने के निर्देश दिए हैं ताकि घुसपैठियों के बारे में जानकारी एकत्र की जा सके। उन्होंने बताया कि राज्य में कुल 18 समुद्री पुलिस थाने सक्रिय हैं और केंद्रीय योजना के तहत पुलिस को 15 हाई-स्पीड इंटरसेप्टर नौकाएं दी गई हैं।

## अनुप्रिया पटेल ने केंद्र में पिछड़ा वर्ग मंत्रालय बनाने की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**प्रयागराज/भाषा।** केंद्रीय राज्य मंत्री और अपना दल (सोनेलाल) की अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल ने यहां जिला स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन में सोमवार को कहा कि उनका दल केंद्र सरकार में एक अलग पिछड़ा वर्ग मंत्रालय गठित करने के लिए आवाज उठाता है।

अनुप्रिया ने यहां सिविल लाइंस के प्रेक्षागृह में प्रदेशभर से आये पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, देश में पिछड़ा वर्ग की एक बहुत बड़ी आबादी है। नब्बे के दशक में जब मंडल आयोग की सिफारिशें लागू हुईं उस वक्त यह अनुमान लगाया गया कि पिछड़ों की आबादी 52 प्रतिशत है। उन्होंने कहा, इतने वर्षों में जब देश की आबादी 140 करोड़ पहुंच गई है और 2047 तक जब देश अपनी आजादी के 100 वर्ष पूरे करेगा, तब तक देश की आबादी 167 करोड़ होने का अनुमान है। उस समय तक पिछड़ा वर्ग की आबादी भी काफी हद तक बढ़ चुकी होगी। अनुप्रिया ने कहा, देश की इतनी बड़ी आबादी की बहुत सारी समस्याएं और चुनौतियां हैं जिन पर सरकार को ध्यान देने की जरुरत है। केंद्र में एक समय अल्पसंख्यक कल्याण मंत्रालय और जनजाति कल्याण मंत्रालय नहीं हुआ करता था। लेकिन, बाद में अल्पसंख्यक और जनजाति आबादी की समस्याएं दूर करने के लिए इनके मंत्रालय बने। उन्होंने कहा, अपना दल का मानना है कि इस देश में पिछड़ों की एक बहुत बड़ी आबादी है। इसलिए जब देश में जनगणना हो तो पिछड़ा वर्ग की भी गिनती की जाए जिससे पिछड़ा वर्ग की आबादी के प्रामाणिक आंकड़े सामने आ सकें।

## आईएसएल मेरे जीवन के सबसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंटों में से एकः सुनील छेत्री

**मुंबई/भाषा।** बेंगलूरु एफसी के कप्तान सुनील छेत्री ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के 2024-25 सत्र की शुरुआत से पहले इस फुटबॉल लीग को उन सबसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंटों में से एक बताया जिनमें वह खेले।

छेत्री ने स्वीकार किया कि 2014 में उन्होंने यह अनुमान नहीं लगाया था कि आईएसएल इतनी प्रगति करेगा और असंख्य युवा प्रतिभाएं देगा तथा नए क्लबों के आने के साथ यह टूर्नामेंट बड़ा होता जा रहा है। छेत्री ने कहा, ''यह शानदार रहा है। 10 साल पहले अगर मेरे से पूछा जाता कि आईएसएल कहां पहुंचेगा या भारतीय फुटबॉल में इसका क्या स्थान होगा तो शायद मैं यह अनुमान नहीं लगा पाता कि हम कहां होंगे। यह आठ क्लबों की दो महीने लंबी लीग से लेकर अब पूरे साल चलने वाली लीग तक शानदार तरीके से विकसित हुई है जिसमें कई प्रतिभाएं सामने आई हैं।'' उन्होंने कहा, ''यह मेरे जीवन की सबसे महत्वपूर्ण प्रतियोगिताओं में से एक बन गई है। मैं एक भारतीय फुटबॉल प्रशंसक हूं इसलिए मुझे उम्मीद है कि भविष्य में यह तेजी से बढ़ेगी और मुझे उम्मीद है कि आने वाले 10 साल पिछले 10 वर्षों की तुलना में कहीं बेहतर होंगे।''

## गठिया से जूझ रही है साइना नेहवाल, साल के आखिर तक संन्यास पर करेंगी फैसला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** भारत की चोटी की बैडमिंटन खिलाड़ी और पूर्व ओलंपिक कांस्य पदक विजेता साइना नेहवाल ने खुलासा किया है कि वह गठिया से जूझ रही हैं और उन्हें इस साल के अंत तक इस खेल में अपने भविष्य के बारे में फैसला करना होगा क्योंकि इस बीमारी के कारण उनके लिए सामान्य दिनों की तरह अभ्यास करना मुश्किल हो गया है।

विश्व की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी 34 वर्षीय नेहवाल ने लंदन ओलंपिक 2012 में कांस्य पदक जीता था। तीन बार ओलंपिक खेलों में भाग लेने वाली नेहवाल ओलंपिक में पदक जीतने वाली पहली भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी बनी थी। राष्ट्रमंडल खेल 2010 और 2018 की स्वर्ण पदक विजेता ने कहा कि वह अब इस तथ्य को नजरअंदाज नहीं कर सकती हैं कि उनका करियर अपने अंतिम चरण में है। दिग्गज निशानेबाज और पेरिस ओलंपिक में भारतीय दल के नेता गगन नारंग के 'हाउस ऑफ ग्लोरी' पॉडकास्ट में नेहवाल ने कहा, ''मेरे घुटने की स्थिति अच्छी नहीं है। मुझे गठिया है। मेरा कार्टिलेज खराब हो गया है। ऐसे में आठ-नौ घंटे तक खेल से जुड़े रहना बहुत मुश्किल है।'' उन्होंने कहा,''ऐसी स्थिति में आप दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को कैसे चुनौती देंगे। मुझे किसी न किसी स्तर पर इसे स्वीकार करना होगा क्योंकि शीर्ष खिलाड़ियों के खिलाफ अपेक्षित परिणाम हासिल करने के लिए दो घंटे का अभ्यास पर्याप्त नहीं है।''

नेहवाल ने कहा कि वह अभी इस बात पर विचार कर रही हैं कि संन्यास लेने का उन पर क्या प्रभाव पड़ेगा, लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि आखिरकार उन्हें फैसला लेना होगा। वह भारतीय जनता पार्टी की सदस्य भी हैं। उन्होंने अंतिम टूर्नामेंट एक साल से भी अधिक समय पहले सिंगापुर ओपन के रूप में खेला था जिसमें वह शुरुआती दौर में हार कर बाहर हो गई थी। उन्होंने कहा,''मैं संन्यास लेने के बारे में सोच रही हूं। यह पीड़ा दायक होगा क्योंकि यह एक आम आदमी की तरह की जाने वाली नौकरी की तरह है। जाहिर है, एक खिलाड़ी का करियर हमेशा छोटा होता है। मैंने नौ साल की उम्र में शुरुआत की थी। अगले साल मैं 35 वर्ष की हो जाऊंगी।'' नेहवाल ने कहा,''मेरा कैरियर भी लंबा रहा है और इस पर मुझे गर्व है। मैंने जो कुछ हासिल किया उससे मैं खुश हूं। मैं इस साल के अंत तक आकलन करूंगी कि मैं कैसा महसूस कर रही हूं।'''

## पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी कुमार नितेश ने पैरालंपिक में स्वर्ण पदक जीता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**पेरिस/भाषा।** भारत के कुमार नितेश ने सोमवार को यहां पुरुष एकल एसएल3 बैडमिंटन फाइनल में कड़े मुकाबले में ग्रेट ब्रिटेन के डेनियल बेथेल को हराकर पैरालंपिक में पहली बार स्वर्ण पदक जीता। हरियाणा के 29 साल के नितेश ने अपने मजबूत डिफेंस और सही शॉट चयन की मदद से टोक्यो पैरालंपिक के रजत पदक विजेता बेथेल को एक घंटे और 20 मिनट चले मुकाबले में 21-14 18-21 23-21 से हराया।

नितेश ने मैच के बाद कहा, ''मुझे अब भी कुछ अहसास नहीं हो रहा। शायद जब मैं पोडियम पर जाऊंगा और राष्ट्रगान बजेगा तो इस भावना का सामना कर पाऊंगा।'' एसएल3 वर्ग के खिलाड़ियों के शरीर के निचले हिस्से में अधिक गंभीर विकार होता है और वह आधी चौड़ाई वाले कोर्ट पर खेलते हैं। जब नितेश 15 वर्ष के थे तब उन्होंने 2009 में विशाखापत्तनम में एक रेल दुर्घटना में अपना बायां पैर खो दिया था लेकिन वह इस सदमे से उबर गए और पैरा बैडमिंटन को अपनाया। नितेश की यह जीत सिर्फ निजी उपलब्धि नहीं है बल्कि इस जीत के साथ एसएल3 वर्ग का स्वर्ण पदक भारत के पास बरकरार रहा। टोक्यो में तीन साल पहले जब पैरा बैडमिंटन ने पदार्पण किया था तो प्रमोद भगत ने इस स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता था।

## सुविचार

**टेंशन उतनी लीजिये जितने में काम हो जाए, उतनी नहीं की ज़िंदगी ही तमाम हो जाए!**

## दक्षिण भारत राष्ट्रमत

# पतन के मार्ग पर बांग्लादेश?

बांग्लादेश में जारी उथल-पुथल के बीच कई शिक्षकों से जबरन इस्तीफे लिए जाने की घटनाएं अत्यंत निंदनीय हैं। जो देश अपने शिक्षकों का अपमान करता है, उसका पतन जरूर होता है। महाभारत में ऐसे कई प्रसंग आते हैं, जब दुर्योधन ने अपने शिक्षक द्रोणाचार्य के साथ अमर्यादित व्यवहार किया था। उसका नतीजा कुरुक्षेत्र में सबने देखा था। आज बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस 'सुधारों' की बात तो कर रहे हैं, लेकिन उनके राज में जो 'बिगाड़' हो रहा है, उसे सुधारने में इस पड़ोसी देश को दशकों लग सकते हैं। बांग्लादेश में जिन शिक्षकों से जबरन इस्तीफे लिखवाए गए, उनकी संख्या 50 से ज्यादा बताई जा रही है और उनमें लगभग सभी अल्पसंख्यक समुदायों से हैं। इन शिक्षकों में से कई तो वे हैं, जिन्होंने अपनी पूरी ज़िंदगी इस देश में शिक्षा का प्रचार-प्रसार करने में लगा दी। अब उम्र के इस पड़ाव में उनसे रोजी-रोटी छीन लेना शर्मनाक है। ये लोग कहां जाएंगे? क्या काम करेंगे? जो इस बात को लेकर आश्वस्त थे कि बांग्लादेश हमारा देश है, हम यहां शिक्षा का उजाला फैलाएंगे, इसकी नस्लों को संवारेंगे तो ज़िंदगी भी सुकून से कट जाएगी; अब उनके पास कोई काम नहीं है। एक झटके में सब सड़क पर आ गए! किससे मदद की गुहार लगाएं? किसी ने नहीं सोचा होगा कि नोबेल पुरस्कार विजेता 'अर्थशास्त्री' के देश की बागडोर संभालते ही ऐसे 'अनर्थ' की शुरुआत होगी! जब इन शिक्षकों से इस्तीफा लिया गया तो इनकी आंखों से आंसू छलक रहे थे। ये लोग इतने मजबूर, इतने लाचार कभी नहीं रहे। सोशल मीडिया पर इनकी तस्वीरें देखकर विदेशी आक्रांताओं से जुड़ीं उन घटनाओं की यादें ताजा हो जाती हैं, जिनके बारे में हमने इतिहास की किताबों में पढ़ा था। विदेशी आक्रांता हमारे विश्वविद्यालयों और पुस्तकालयों पर हमले क्यों करते थे? वे उनमें आग क्यों लगाते थे?

इसके पीछे उनकी मंशा युगों-युगों से अर्जित ज्ञान को नष्ट करने की थी, ताकि लोग मानसिक रूप से भी उनके गुलाम बन जाएं। उसके बाद वे अपनी महानता के झूठे किस्से लिखवाते थे। बांग्लादेश (तब यह पूर्वी पाकिस्तान कहलाता था) में ज्ञान-विज्ञान को नष्ट करने के ऐसे प्रयास पहले भी हो चुके हैं। वर्ष 1970-71 में जब यहां मुक्ति संग्राम की चिंगारी ज्वाला का रूप ले रही थी, तब पाकिस्तानी फौज ने स्कूलों और विश्वविद्यालयों पर धावा बोला था। शिक्षकों की चुन-चुनकर हत्याएं की थीं। रावलपिंडी के जनरलों ने हुक्म दे दिया था कि जिस व्यक्ति की जेब में क़लम और आंखों पर चश्मा हो, उसे गोली मार दी जाए। उसके बाद हजारों शिक्षकों का लहू बहाया गया था। बहुत बड़ी संख्या में स्कूलों-विश्वविद्यालयों के विद्यार्थी भी मारे गए थे। उस दर्दनाक दौर का खामियाजा पाक के तत्कालीन हुक्मरान भुगत चुके हैं, लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि मौजूदा बांग्लादेशी शासक वर्ग ने उनसे कोई सबक नहीं लिया। ये लोग वही गुनाह कर रहे हैं, जो पूर्व में जुल्फिकार अली भुट्टो, याह्या खान, टिक्का खान और एएके नियाजी ने किया था। उन्होंने मोहम्मद यूनुस को आगे कर अपनी सुधारवादी छवि बनाने की कोशिश की है, लेकिन पीछे काम वही कर रहे हैं, जो पाकिस्तानी फौज ने किए थे। वे अपने अल्पसंख्यक भाइयों और बहनों की सुरक्षा करना तो दूर, उनकी ज़िंदगी का सहारा भी छीन रहे हैं। इस अवधि में अल्पसंख्यकों के घरों और प्रतिष्ठानों पर हमले भी हुए। उनमें लूटमार की गई, आग लगाई गई। बहू-बेटियों की गरिमा को ठेस पहुंचाई गई। क्या मोहम्मद यूनुस और उनकी मंडली ऐसा ही बांग्लादेश बनाना चाहते हैं? वहां 'जो' हो रहा है, बहुत गलत हो रहा है। इतिहास बांग्लादेश के कर्ताधर्ताओं से तो प्रश्न पूछेगा ही, उन लोगों को भी क्षमा नहीं करेगा, जो 'सबकुछ' देखकर मौन रह गए थे।

## ट्वीटर टॉक

भाजपा एक मात्र दल है. जो अपनी पार्टी के संविधान के अनुसार अक्षरश: लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं का पालन करते हुए अपने कार्य का विस्तार कर रहा है और जन-सामान्य की आशा, आकांक्षाओं पर खरा उतरने के लिए अपने आप को निरंतर योग्य बनाते रहता है।

**-नरेन्द्र मोदी**

भारत की राजनीति में इससे पहले नेताओं की कथनी और करनी में जो विश्वास का संकट पैदा हुआ था, उस विश्वसनीयता के संकट को किसी ने चुनौती के रूप में स्वीकार किया है, तो वो हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने किया है।

**-राजनाथ सिंह**

हमारी पार्टी विश्व की सबसे बड़ी पार्टी तो है आज भारत के 1,500 से अधिक राजनीतिक दलों में कोई भी दल लोकतांत्रिक तरीके से विश्वास और खुलेपन के साथ हर 6 साल के बाद अपने सदस्यता अभियान को नहीं करता है।

**-अमित शाह**

## प्रेरक प्रसंग

### संतोष का हल

राजस्थान में जन्मे महात्मा मस्तराम परम विरक्त संत थे। वे अपने पास एक कमंडल तथा एक लंगोटी के अलावा कुछ नहीं रखते थे। मारवाड़ से धर्म प्रचार करते हुए एक दिन वे काठियावाड़ पहुंचे। उन्हें पता चला कि इस क्षेत्र के ग्रामीण नशीले पदार्थों का सेवन करते हैं और आलसी हैं। उन्होंने ग्रामीणों को उपदेश देते हुए इन नशीले पदार्थों से होने वाली हानि से अवगत कराया। आलस्य त्यागकर कर्म करने और प्रतिदिन भगवान का स्मरण करने की प्रेरणा दी। भावनगर के राजा भी उनके दर्शन के लिए पहुंचे और उन्हें दोशाला ओढ़ा दिया। संतजी ने राजा से कहा, 'इस दोशाले को किसी जरूरतमंद गरीब को दे देना। मुझ साधु की तपस्या भंग न करो।' एक दिन काठियावाड़ के एक सेठ ने महात्माजी के उपदेशों से प्रभावित होकर उन्हें धन से भरी थैली भेंट की। स्वामीजी ने कहा, 'यह थैली किसी गरीब को दे देना।' सेठ ने हंसकर कहा, 'महाराज, आपके पास एक लंगोटी के अलावा कुछ नहीं है। मैं दूसरा गरीब कहां से ढूंढूंगा?' महात्माजी ने कहा, 'चाह नहीं चिंता नहीं मनवा बेपरवाह, जा को कुछ न चाहिए, सो जग शहंशाह। मैं गरीब नहीं, मैं तो शहंशाह हूं।'

## सामयिक

# किताब के बहाने शिक्षक का वैशिष्ट्य

**दिनेश प्रताप सिंह 'चित्रेश'**

मोबाइल : 7379100261

**शिक्षक का कार्य सिर्फ किताबी ज्ञान या सूचनाएं देकर ज्ञानवान बनाना ही नहीं है, वरन छात्रों की मनोदशा समझकर उनकी समस्याओं का निदान कर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना भी है...' इस लेख को शुरू से अंत तक पढ़ गया। मोबाइल की स्क्रीन पर पढ़ना आसान नहीं होता। लेकिन प्रीति भारती का यह लेख और लक्ष्मी प्रतिदिन विद्यालय आने लगी' की मातृ विहीन किशोरी लक्ष्मी की छोटे भाई-बहन के प्रति सकारात्मक सोच और संघर्ष की चेतना संवेदना का ऐसा जादुई ध्वनिकम्प रचने में सफल हुई, जिसके आकर्षण में बंधा मैंने किताब आरम्भ से पढ़नी शुरू की।**

सामने मोबाइल था, व्हाट्सऐप के ट्यून से निगाह उस पर टिक गई। स्क्रीन पर पी.डी. मलय का नाम फ़्लैश हुआ... व्हाट्सएप खोला, 'स्कूल में एक दिन' के पीडीएफ का प्रारूप दिखा। जिज्ञासावश इसे खोलकर पृष्ठ पलटने लगा। एक लेख को जूम किया तो दिखा-एक शिक्षक का कार्य सिर्फ किताबी ज्ञान या सूचनाएं देकर ज्ञानवान बनाना ही नहीं है, वरन छात्रों की मनोदशा समझकर उनकी समस्याओं का निदान कर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना भी है...' इस लेख को शुरू से अंत तक पढ़ गया। मोबाइल की स्क्रीन पर पढ़ना आसान नहीं होता। लेकिन प्रीति भारती का यह लेख और लक्ष्मी प्रतिदिन विद्यालय आने लगी' की मातृ विहीन किशोरी लक्ष्मी की छोटे भाई-बहन के प्रति सकारात्मक सोच और संघर्ष की चेतना संवेदना का ऐसा जादुई ध्वनिकम्प रचने में सफल हुई, जिसके आकर्षण में बंधा मैंने किताब आरम्भ से पढ़नी शुरू की।

पुस्तक के पहले लेख किस लिए पढ़ रहे हैं (दुर्गेश्वर राय) में नए अध्यापक के आने पर कक्षा में जो सकपकाहट और जिज्ञासा होती है, उस सुन्दर देशकाल के बीच गणित को सहज, आनंददायी और मूर्त बनने का रोचक नवाचार है। यह अन्य शिक्षकों के सामने बच्चों में गणित के प्रति सहज लगन और रुचि पैदा करने का नमूना भी प्रस्तुत करता है। 'स्कूल का एक दिन' के केंद्र में कम उपस्थिति हैं, इसकी जमीनी हकीकत जानने के लिए गाँव भ्रमण...मेले की बातें, जीवन से जोड़कर खेल-खेल में गणित को रोचक बनाना, स्कूल पुस्तकालय का जानने-समझने में उपयोग जैसे कई उपक्रमों से यह एक कल्पनाशील अध्यापक का रोचक शिक्षण बन गया है। बच्चों में अभिव्यक्ति, तर्क, चिन्तन और कल्पना की स्थापना को भी यह प्रदर्शित करता है। सीखने-सीखने की राह में' (रश्मि त्रिपाठी) में विद्यालय की आन्तरिक-बाह्य व्यवस्था, अनुशासन, उपस्थति और सीखने की प्रक्रिया को गतिशील बनाने का 'नवाचार बैजों' के वितरण में समाहित है। 'अंधविश्वास की धुंध से मुक्ति', 'ढह गई भेदभाव की दीवार', 'बोलते पत्थर' के साथ 'दूसरी दुनिया' में अर्चना वर्मा के प्रयासों का मनो साक्षी बना। धैर्यपूर्वक प्रयास से बच्चों की सृजनात्मकता को स्वतंत्र आकाश देना अच्छा लगा, बादलों के बीच स्कूल तो बहुत ही अच्छा ! यह एक बालिका की सुन्दर कल्पना है। रेशमा के आँसू' में एक दिव्यांग बच्ची के दर्द के साथ अध्यापिका साधना मिश्रा की रोशन की हुई उम्मीद की लौ को भी महसूस किया।

अरे ! ये तो 'वही मैडम हैं' की रिम्पू सिंह विद्यालय के गेट के सामने पहुंची थीं, तभी मैं 'स्कूल में एक दिन' के रहस्य-रोमांच में डूबा, अतीत में चला गया....शिक्षा से जुड़ी किताब और रहस्य-रोमांच ! अनुपयुक्त सी बात...! किन्तु यह मेरी नहीं, राजस्थान के शिक्षाविद शिवरतन थानवी की बात है। सक्रिय पुस्तकालय' के संदर्भदाता की ट्रैनिंग थी। शिवरतन जी ने अतिथि प्रवक्ता के रूप में एक सत्र को प्रबोधित करते हुए कहा था-विद्यालयों में पुस्तकालय सक्रिय करने का आशय है, सीखने-सीखाने की प्रक्रिया को नई दिशा, गति, प्रोत्साहन और विस्तार देना। मध्ययुगीन चिन्तन से अलग होकर आधुनिक ढंग से शिक्षण की राय कोई शिक्षक कैसे बनाएगा? आखिर कोई आधार होना चाहिए...! इस क्रम में उन्होंने तीन किताबों का जिक्र किया था। पहली पुस्तक थी-'मिस्टर गॉड, दिस इज अन्ना'। इसमें एक अद्भुत प्रतिभा वाली अन्ना नाम की लड़की का रोचक आख्यान है। यह बच्चों को समझने की एक मुकम्मल दृष्टि देती है। दूसरी पुस्तक नंदकिशोर आचार्य की 'आधुनिक विचार और शिक्षा' के विषय में उनका मत था कि शिक्षा के परिदृश्य को सही ढंग से समझने के लिए इसे हर शिक्षक को अवश्य पढ़ना चाहिए। नवीन शिक्षण दृष्टि के निर्माण में यह पुस्तक उपयोगी साबित हो सकती है।

तीसरी जिस पुस्तक का उन्होंने जिक्र किया था, वह जापानी लेखिका तेत्सुको कुरोयानागी का उपन्यास 'तोत्तो चान' था। शिवरतन जी ने इस पुस्तक पर काफी लम्बी, गहरी और व्यापक चर्चा की थी। उनका कहना था कि सन 1985 में जिस अंग्रेजी संस्करण से पूर्वायाज्ञिक कुशवाहा ने इसका हिन्दी अनुवाद किया था, उससे पूर्व इसकी साठ लाख प्रतियां बिक चुकी थीं। इस पुस्तक के दो रूप हैं। पहला तो यह कि इसकी मुख्य पात्र एक छोटी बच्ची 'तोत्तो-चान' है और इसका घटनाक्रम घर व विद्यालय के बीच घूमता है। दूसरा यह हमारे शिक्षातंत्र को आधुनिक बनाने के लिए एक नया, आकर्षक, सुदृढ़ और सुन्दर आधार देती है। शिवरतन जी ने बताया था-यह माँ-बाप और शिक्षक के लिए तो विशेष पढ़ने योग्य है ही, मामूली साक्षर पाठक भी इसे रुचि के साथ पढ़ सकता है। 'रॉबिन्सन क्रूसो' और 'गुलिवर की यात्राएं' पढ़ना जितना मजेदार है, उतना ही रोचक है 'तोत्तो-चान' को पढ़ना ! स्वप्नलोक से 'तोमोए-गाकुएन' स्कूल और कोबायाशी जैसे समर्पित प्रधानाध्यापक से यह उपन्यास परिकथा जैसा रंगीला बन गया है। इसे पढ़ते हुए आप ध्यानमग्न शिक्षा की रहस्य-रोमांच की दुनिया में घुसते चले जाएंगे...।'

'स्कूल में एक दिन' में 112 लेखों में समर्पित शिक्षकों की अद्भुत छवियाँ है। जिनमें बच्चों के अंतर्मन में पैठकर उनके मनोद्वन्द्व को पकड़ने और उसका समुचित हल प्रस्तुत करने की प्रतिबद्धता है। गिजूभाई बधेका, ए.एस. नील, मांटेसरी, जॉन हॉल्ट, रुक्मिणी अरुंडेल या डेलक्रोज बच्चों की समस्याओं के साथ सिर्फ इतना भर नया करते हैं कि वे समस्या पर नए ढंग से सोचते हैं। यही काम इस पूरी पुस्तक में नए शिक्षक करते दिख रहे हैं। कहा जाता है, सत्य कल्पना से भी विचित्र होता है। इस पुस्तक में सच्ची घटनाएं हैं। सचमुच के दुख-दर्द और समस्याएं हैं। आत्मीयता, मानवीयता और सहजता के स्तर पर उनके समाधान हैं। बड़ी बात यह है कि समाधान देने वाले सरकारी स्कूल के अध्यापक हैं। यह भी इसकी एक ताजगी है, आज की तारीख में सरकारी स्कूल के अध्यापक जनमानस के हिसाब से सिर्फ वेतनभोगी नीरस कर्मचारी भर रह गए है। शिक्षकोचित गरिमा, संवेदना, स्नेह, प्रेम, करुणा और कर्मनिष्ठा उनसे कब की दूर जा चुकी है। यह किताब इस भ्रमजाल पर प्रहार करती है और स्पष्ट धारणा विकसित करती है कि शिक्षक में आम कर्मचारी से अलग सदैव एक नैतिक दृष्टिकोण विद्यमान रहता है।

पुस्तक का पहला खण्ड कक्षा कक्ष में हुई किसी समाधान परक वार्ता पर आधारित है। इस खण्ड के लेखों में पर्याप्त कथारस है। दूसरा खण्ड कक्षा कक्ष या विद्यालय में आयोजित गतिविधियों पर केंद्रित है। कुछ गतिविधियां शैक्षिक हैं तो कुछ सांस्कृतिक...इसमें प्रतिभागी बच्चों का उत्साह, आनन्दपूर्ण भंगिमा, दायित्वबोध, खिलंदड़ापन अपने चरम पर है। खण्ड तीन के केंद्र में विद्यालय के विविध आयोजन की झाँकियाँ हैं। वार्षिकोत्सव, अभिभावक बैठक, खेलकूद के आयोजन या सांस्कृतिक कार्यक्रम पर अध्यापकों के आलेख हैं। इस पूरी लेखमाला में संस्मरण, फीचर, निबंध, रिपोर्ताज और कहानी की प्रतिछवियाँ हैं। चौथे खण्ड के लेख मूलत: छोटे-बड़े शैक्षिक भ्रमण के वृतांत हैं और अपनी प्रस्तुति के अंतर्गत चित्रात्मक और गतिशील बन पड़े हैं। एक वृतांत डॉ. प्रज्ञा त्रिपाठी ने प्रस्तुत किया है-'व्यावहारिक ज्ञान की राह में बच्चे' ! यह यात्रा कुल चार-पाँच किलोमीटर के अन्दर खेत, अस्पताल, थाना, तहसील और बंबा ताला पार्क के बीच सम्पन्न हुई है, सहयोगी शिक्षकों की सूझबूझ और क्रिया-कलाप से यह अविस्मर्णीय बन पड़ी है। यह अभिनव प्रतिमान रचती है कि छोटे दायरे में भी बच्चों के जानने-समझने के लिए बहुत कुछ होता है।

पुस्तक का पांचवा खण्ड अध्यापकों के लीक से हटकर किए गए उन कार्यों और प्रयासों का प्रतिदर्श प्रस्तुत करता है, जिससे स्कूल की गुणवत्ता में सुधार हुआ। विद्यालय अपेक्षाकृत बेहतर बन सके। यह पूरा खण्ड इस बात का गवाह है कि अध्यापक प्राचीन गुरुकुल परम्परा के ऋषि-मुनि गुरुओं के आधुनिक रूप हैं। उसके अन्दर नया कुछ करने जुनून बाकी है। उनमें संवेदना है, बचपन को तराशकर चरित्रवान नागरिक गढ़ने का हुनर और ललक है। 'एक बार फिर...अरे ये तो वही मैडम हैं' की रिम्पू सिंह की तरफ चलते हैं। यह एआरपी और संदर्भदाता है। विद्यालयों का अनुश्रवण और पर्यवेक्षण करने के साथ-साथ बच्चों को खेल खिलाती हैं, गतिविधियां कराती हैं। इसलिए छात्र-छात्राएं उनको पसंद करती हैं और उनके विद्यालय आने पर सब खुशी से झूम उठते हैं।

लेखों के रचनाकार अध्यापक-अध्यापिकाओं के मैत्री समूह 'शैक्षिक संवाद मंच' से सम्बद्ध हैं। 'प्रमोद दीक्षित मलय' ने सन 2012 में कुछ उत्साही शिक्षकों को लेकर यह संगठन खड़ा किया था। इसका ध्येय वाक्य है-'विद्यालय बनें आनन्दघर' ! इसी संकल्प के साथ यह शिक्षा में नवाचार और गुणवत्ता संवर्धन की दिशा में कार्य कर रहा है। अभी इस मंच का उत्तर प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ के सुदूरवर्ती विद्यालयों के शिक्षकों तक विस्तार हो चुका है। इससे जुड़े शिक्षकों और बच्चों में लिखने-पढ़ने की संस्कृति का विकास हो, सृजनात्मक प्रतिभा सामने आए। इस दृष्टि से मंच समय-समय पर मैत्री समूह के सदस्यों और अन्य सृजनकर्मियों से रचनाएं मँगवा के विविध विधाओं के संकलन प्रकाशित करता है। शिक्षक साथियों से दैनंदिन अनुभव डायरी के रूप में लिखवाए जाते हैं। यह लेख भी इन्हीं डायरियों से निकले है, इसलिए इसमें डायरी विधा के तत्वों का भी समावेश है। पुस्तक शिक्षकों और अभिभावकों के लिए प्रेरणापुंज है।

अंत में इस महत्वपूर्ण पुस्तक के सम्पादन और प्रकाशन के लिए मैं 'प्रमोद दीक्षित मलय' को साधुवाद देता हूँ। पुस्तक में जिन शिक्षकों के लेख समायोजित हैं, मैं उनकी नवाचारी प्रतिभा, समर्पण और निष्ठा के प्रति भी सम्मान व्यक्त करता हूँ। मैं सोचता हूँ, कर्मयोग की निष्ठा विस्तार के लिए शिक्षक के अलावा शायद ही कोई अन्य कार्मिक संवर्ग मंच या संगठन खड़ा किया होगा। आज के व्यावसायिक युग में शिक्षकों का यह कृत्य उनके वैशिष्ट्य का प्रमाण है।

## नजरिया

# डिजिटल युग के अपराधों पर कैसे लगे लगाम?

**डॉ. सत्यवान सौरभ**

मोबाइल : 9466526148

हाल ही में भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली में महत्वपूर्ण सुधार हुए हैं, औपनिवेशिक युग के कानूनों से भारतीय न्याय संहिता और भारतीय न्याय सुरक्षा संहिता में बदलाव किया गया है। हालाँकि, नई संहिता में साइबरस्टॉकिंग और ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी जैसे डिजिटल युग के अपराधों से निपटने के लिए व्यापक प्रावधानों का अभाव है, जिनकी आज के तकनीकी रूप से संचालित समाज में प्रासंगिकता तीव्रता से बढ़ रही है। नई संहिता वर्तमान के डिजिटल युग बढ़ रहे साइबर अपराधों जैसे कि साइबरस्टॉकिंग, फिशिंग और डेटा उल्लंघन के दायरे को पर्याप्त रूप से परिभाषित नहीं करती हैं। भारत में फिशिंग और ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी की बढ़ती घटनाओं के बावजूद, नए कानून ऐसे अपराधों पर मुकदमा चलाने में शामिल जटिलताओं को कवर नहीं करते हैं।

डेटा उल्लंघनों पर बढ़ती चिंता के साथ, डेटा संरक्षण और गोपनीयता उल्लंघन के लिए विशिष्ट प्रावधान प्रदान करने में नई आपराधिक संहिता विफल रही हैं। वर्तमान आपराधिक संहिताओं में डिजिटल साक्ष्यों को एकत्रित करने, उन्हें संरक्षित करने तथा न्यायलय में प्रस्तुत करने के लिए स्पष्ट दिशानिर्देशों का अभाव है, जो डिजिटल अपराधों पर मुकदमा चलाने के लिए आवश्यक है। डिजिटल उत्पीड़न, विशेष रूप से महिलाओं और नाबालिगों को लक्षित करना, नए कानूनी ढाँचे में इस संदर्भ में किए गए प्रावधान अपर्याप्त है।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आँकड़ों के अनुसार, साइबर उत्पीड़न के मामलों में वृद्धि हुई है, विशेष तौर पर महिलाओं के खिलाफ, परंतु नई संहिता ऐसे अपराधों के लिए कड़े दंड निर्दिष्ट नहीं करती हैं। उभरती प्रौद्योगिकियों से निपटने में कमियाँ है, नए कानून उभरती हुई प्रौद्योगिकियों से संबंधित अपराधों, जैसे कि क्रिप्टोकरेंसी घोटाले और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दुरुपयोग को ध्यान में नहीं रखते हैं। क्रिप्टोकरेंसी धोखाधड़ी ने डिजिटल और आभासी वातावरण में अपराधों को संबोधित करने के लिए वर्तमान में एक कानूनी ढाँचे की आवश्यकता को दर्शाया है।

हैकिंग, आइडेंटिटी थेफ्ट और साइबरस्टॉकिंग सहित साइबर अपराध के विभिन्न रूपों को लक्षित करते हुए विशिष्ट कानून बनाने की आवश्यकता है, ताकि पीड़ितों को प्रभावी विधिक सहायता मिल सके। सूचना और संचार नेटवर्क उपयोग को बढ़ावा देने के लिए दक्षिण कोरिया के अधिनियम में साइबर अपराधों के खिलाफ व्यापक प्रावधान शामिल हैं, जिसका भारत अनुकरण कर सकता है। डेटा सुरक्षा कानूनों को बेहतर बनाना: डेटा संग्रह, भंडारण और साझाकरण पर स्पष्ट दिशा-निर्देशों के साथ डेटा गोपनीयता विनियमों को मजबूत करना। इन कमियों को प्रभावी ढंग से दूर करने के लिए व्यक्तिगत डेटा संरक्षण विधेयक, 2019 में संशोधित किया जा सकता है और आवश्यक परिवर्तन कर लागू किया जा सकता है। न्यायालयों में डिजिटल साक्ष्य एकत्र करने, प्रमाणित करने और प्रस्तुत करने के लिए मानक स्थापित करना, ताकि इसे आपराधिक कार्यवाही में यह स्वीकार्य और विश्वसनीय बनाया जा सके है।

साइबरबुलिंग और डिजिटल उत्पीड़न के पीड़ितों के लिए सख्त दंड और सहायता प्रणाली प्रारंभ करना, जिसमें महिलाओं और नाबालिगों की सुरक्षा पर विशेष जोर दिया जाएगा। महिलाओं और बच्चों के खिलाफ साइबर अपराध रोकथाम योजना एक अज्ञात रिपोर्टिंग पोर्टल के माध्यम से समर्थन द्वारा डिजिटल उत्पीड़न उपायों को बढ़ाती है। ऐसे कानून बनाना जो ब्लॉकचेन, उभरती प्रौद्योगिकियों द्वारा उत्पन्न चुनौतियों का समाधान करना, ताकि तकनीकी प्रगति के साथ सामंजस्य बनाए रखा जा सके।

यूरोपीय संघ का सामान्य डेटा संरक्षण विनियमन एक लचीला ढाँचा प्रदान करता है जो डिजिटल प्रौद्योगिकियों के विकसित परिदृश्य को संबोधित करता है। डिजिटल युग की चुनौतियों का समाधान करने के लिए भारत के कानूनी ढाँचे को विकसित किया जाना चाहिए। व्यापक साइबर अपराध कानूनों को शामिल करके, डेटा सुरक्षा उपायों को बढ़ाकर और उभरती प्रौद्योगिकियों के लिए प्रोटोकॉल को अपडेट करके, भारत एक मजबूत और उत्तरदायी कानूनी प्रणाली सुनिश्चित कर सकता है। यह विकास तेजी से डिजिटल हो रहे विश्व में नागरिकों की सुरक्षा और समाज में विश्वास, सुरक्षा और न्याय को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

## राजभवन मार्च

पटना में सोमवार को राष्ट्रीय जनता दल किसान प्रकोष्ठ के कार्यकर्ता राजभवन की ओर मार्च करते हुए।

# भारत-सिंगापुर संबंध और प्रगाढ़ होने की ओर अग्रसर : विदेश मंत्रालय

**नई दिल्ली/भाषा**

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सिंगापुर यात्रा से पहले विदेश मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि भारत-सिंगापुर मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन के तहत साझेदारी के लिए चिह्नित 'नए महत्वपूर्ण क्षेत्रों' पर आधारित, दोनों देशों के बीच संबंध और भी बड़े स्तर पर पहुंचने वाले हैं।

मोदी सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग के आमंत्रण पर चार-पांच सितंबर को सिंगापुर की यात्रा पर जाएंगे। इससे पहले उनका तीन-चार सितंबर को ब्रुनेई का दौरा करने का कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य सभी मौजूदा क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत करना है। विदेश मंत्रालय के सचिव (पूर्व) जयदीप मजूमदार ने यहां प्रेस वार्ता में कहा कि भारत और ब्रुनेई ''रक्षा क्षेत्र में एक संयुक्त कार्य समूह'' स्थापित करने की दिशा में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी करीब छह साल बाद सिंगापुर की यात्रा करने वाले हैं।

मोदी ने अपने पहले कार्यकाल में सिंगापुर की यात्रा की थी। मजूमदार ने कहा कि सिंगापुर ने प्रधानमंत्री मोदी के तीसरे कार्यकाल की शुरुआत में उनकी यात्रा का स्वागत किया है। उन्होंने कहा, ''यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब सिंगापुर में नए नेता ने सत्ता संभाली है और यह हमारे जीवंत द्विपक्षीय संबंधों के अगले चरण के लिए मंच तैयार करने का उपयुक्त समय है।''

सचिव (पूर्व) ने कहा कि भारत-सिंगापुर संबंध मजबूत हुए हैं और दोनों देशों के बीच एक गतिशील रणनीतिक साझेदारी है, जिसमें साझा इतिहास और लोगों के बीच आपसी संपर्क जैसे विभिन्न क्षेत्र शामिल हैं, जो दोनों देशों के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं। उन्होंने कहा, ''हमारे व्यापार और निवेश में लगातार वृद्धि देखी गई है, हमारे बीच मजबूत रक्षा सहयोग है और संस्कृति तथा शिक्षा क्षेत्र में आदान-प्रदान बढ़ रहा है। हमने भारत-सिंगापुर मंत्रिस्तरीय गोलमेज ढांचे के तहत अपनी साझेदारी के नए क्षेत्रों की पहचान की है।'' हाल में आयोजित दूसरे भारत-सिंगापुर मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन में भारत के चार मंत्रियों ने भाग लिया था। उन्होंने कहा कि गोलमेज सम्मेलन के दौरान दोनों पक्षों के मंत्रियों ने ''नए महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर चर्चा की, जिन्हें हम सहयोग के भविष्य के क्षेत्रों के रूप में चिह्नित कर सकते हैं।''

मजूमदार ने कहा, ''डिजिटलीकरण, सतत कौशल, स्वास्थ्य, उन्नत विनिर्माण और कनेक्टिविटी में सहयोग के कई नए, भविष्य के क्षेत्रों की पहचान की गई।

# पीटीआई फैक्ट चेकः कराची का पुराना वीडियो भारत में रेलवे ट्रैक से छेड़छाड़ के गलत दावे के साथ शेयर

**दक्षिण भारत राष्ट्रमत**
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। रेलवे ट्रैक से जुड़ी घटनाओं के बीच सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया जा रहा है, जिसमें एक रेलवे ट्रैक पर कुछ बच्चे दिख रहे हैं। इस वीडियो के साथ यह दावा किया जा रहा है कि वीडियो भारत का है और बच्चे रेलवे ट्रैक के साथ छेड़छाड़ कर रहे हैं । पीटीआई फैक्ट चेक डेस्क ने जब वायरल दावे की पड़ताल की तो पाया कि वीडियो भारत का नहीं बल्कि पाकिस्तान के कराची का है। सोशल मीडिया यूजर्स पाकिस्तान के पुराने वीडियो को भारत का बताकर गलत दावे के साथ शेयर कर रहे हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'फेसबुक' पर एक यूजर ने इसे एक पोस्ट में शेयर करते हुए लिखा, इस उम्र में ये रेल की पटरियां उखाड़ रहे हैं। सोचिए, अगले 50 वर्षों में ये क्या करेंगे? डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर जी ने इनके बारे में क्या कहा था, उसे सत्ता को पढ़ना और समझना चाहिए। केवल उनके नाम जाप से कुछ नहीं होगा। इस वीडियो को कई दूसरे यूजर्स अलग-अलग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर भी शेयर कर रहे हैं और इन पोस्टस पर करीबन 1 लाख से ज्यादा व्यूज आ चुके हैं।

दावे की सत्यता जांचने के लिए पीटीआई फैक्ट चेक टीम ने इनविड टूल की मदद से वीडियो के की फ्रेम्स निकाले और फिर रिवर्स इमेज सर्च की मदद से झरझ्ळींरपळ ढीरळपी नाम के फेसबुक पेज पर पहुंचे जहाँ यह वीडियो 5 दिसंबर 2023 को अपलोड किया गया था। इस वीडियो में दिख रहे रेलवे ट्रैक के संदर्भ में बताया गया कि यह पाकिस्तान के सर ताज खान पहाड़ी वोट बेसिन चौकी के पास की रेलवे लाइन का है। इस फेसबुक पोस्ट में यह बताया गया कि ट्रैक पर नज़र आ रहे बच्चे कुछ सामान चोरी कर रहे हैं और इसके खिलाफ कार्रवाई करने का अनुरोध किया गया। पड़ताल को आगे बढ़ाते हुए डेस्क ने पाया कि कराची की पुलिस ने तत्काल एक्शन लिया और रेलवे ट्रैक से सामान चोरी कर रहे बच्चों को पकड़कर थाने ले जाया गया। बाद में अभिभावकों के आश्वासन के बाद बच्चों को उनके अभिभावकों को सौंप दिया गया।

पीटीआई फैक्ट चेक की पड़ताल से यह साफ हुआ कि वायरल वीडियो भारत का नहीं बल्कि पाकिस्तान के कराची का है। यूजर्स पाकिस्तान के पुराने वीडियो को भारत का बताकर सोशल मीडिया पर गलत दावे के साथ शेयर कर रहे हैं। इस पूरी फैक्ट चेक रिपोर्ट को यहाँ भी पढ़ सकते हैं - https:horturl.at/itNcT

किसी भी दावे या सोशल मीडिया पोस्ट की तथ्य-जांच के लिए, पीटीआई फैक्ट चेक को व्हाट्सएप नंबर +91-8130503759 पर संपर्क किया जा सकता है।

## वितरित

अगरतला में सोमवार को लगभग 82 किलोमीटर दूर अमरपुर शहर के बाहरी इलाके में बीरगंज गांव के बाढ़ पीड़ितों को भोजन और अन्य आवश्यक सामान वितरित करती एक महिला।

# अगर मैं रीट पर कुछ भी कहूंगी तो मुझ पर हितों के टकराव का आरोप लगेगाः सेबी प्रमुख

**मुंबई/भाषा**

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच ने रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट्स (रीट) पर टिप्पणी करने से सोमवार को इनकार करते हुए कहा कि अगर वह इस विषय पर कुछ कहेंगी तो उनपर हितों के टकराव का आरोप लगाया जाएगा। बुच ने यह बात ऐसे समय में कही है जब अमेरिकी निवेश एवं शोध कंपनी हिंडनबर्ग ने अपनी एक रिपोर्ट में उनके और निजी इक्विटी क्षेत्र की कंपनी ब्लैकस्टोन से जुड़े संभावित हितों के टकराव के बारे में सवाल उठाए हैं। उनके पति धवल बुच ब्लैकस्टोन में वरिष्ठ सलाहकार हैं, जो रीट क्षेत्र की एक प्रमुख कंपनी है। हालांकि, दंपति ने आरोपों का खंडन किया है। इसके अलावा,

हिंडनबर्ग ने आरोप लगाया था कि रीट विनियम 2014 में सेबी के हालिया संशोधनों से एक विशिष्ट वित्तीय समूह को लाभ पहुंचा है। सेबी ने इन आरोपों को खारिज किया है। सेबी की प्रमुख बुच ने सोमवार को भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के एक कार्यक्रम में कहा, '' यदि मैं रीट पर एक शब्द भी कहूंगी तो मुझपर हितों के टकराव का आरोप लगा दिया जाएगा।''रीट भारतीय बाजार में एक नई अवधारणा है। अपने आकर्षक रिटर्न तथा पूंजी वृद्धि के कारण यह विश्वस्तर पर एक लोकप्रिय विकल्प रहा है।

रीट वाणिज्यिक अचल संपत्ति परिसंपत्तियों के खंड से बना होता है, जिनमें से अधिकतर पहले से ही पट्टे पर दी गई होती हैं। इस बीच, कांग्रेस ने बुच के खिलाफ हितों के टकराव के नए आरोप लगाते हुए सोमवार को दावा किया कि वह इस बाजार नियामक की पूर्णकालिक सदस्य होते हुए भी आईसीआईसीआई बैंक से नियमित वेतन ले रही थीं। कांग्रेस के मीडिया एवं प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि बुच पांच अप्रैल, 2017 से चार अक्टूबर, 2021 तक सेबी की पूर्णकालिक सदस्य थीं और दो मार्च, 2022 से इसकी चेयरपर्सन हैं।

# 'आईसी 814 : द कंधार हाईजैक' विवाद : सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने नेटफ्लिक्स कंटेंट हेड को किया तलब

**नई दिल्ली/एजेन्सी**

अपहरणकर्ताओं के नाम को लेकर विवादों में घिरी वेब सीरीज 'आईसी 814 : द कंधार हाईजैक' के मामले में केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने नेटफ्लिक्स इंडिया की कंटेंट हेड को समन भेजा है।

सूत्रों के मुताबिक, केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने सोमवार को नेटफ्लिक्स इंडिया की कंटेंट हेड मोनिका शेरगिल को 'आईसी : 814' वेब सीरीज कंटेंट विवाद को लेकर मंगलवार को दिल्ली तलब किया है। साथ ही उन्होंने वेब सीरिज से जुड़े विवादित तथ्यों पर स्पष्टीकरण भी मांगा है।

अनुभव सिन्हा द्वारा निर्देशित यह सीरीज इंडियन एयरलाइंस की फ्लाइट 814 के हाईजैक पर आधारित है। वेब सीरिज में आतंकियों के नाम चीफ, डॉक्टर, बर्गर, भोला और शंकर बताए गए हैं। इसमें दिखाया गया है कि अपहरणकर्ता एक-दूसरे को इसी नाम से संबोधित करते थे। आतंकवादी संगठन हरकत-उल-मुजाहिदीन के आतंकवादियों ने प्लेन हाईजैक किया था। उन्होंने भारत की जेल में बंद पाकिस्तानी आतंकवादियों अहमद उमर सईद शेख, मसूद अजहर और मुश्ताक अहमद जरगर की रिहाई कराने के लिए फ्लाइट हाईजैक किया था।

इससे पहले भाजपा के आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने वेब सीरिज पर सवाल उठाए थे। उन्होंने एक्स पर लिखा था, आईसी-814 के अपहरणकर्ता खूंखार आतंकवादी थे, जिन्होंने अपनी मुस्लिम पहचान छिपाने के लिए काल्पनिक नाम अपनाए। फिल्म निर्देशक अनुभव सिन्हा ने उनके गैर-मुस्लिम नामों को आगे बढ़ाकर उनके आपराधिक इरादे को वैध बनाया। इस वेब सीरिज को सोशल मीडिया पर भी बुरी तरह आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। कई यूजर्स ने आरोप लगाया है कि निर्माताओं ने अपहरणकर्ताओं का धर्म जानबूझकर बदल दिया है। एक यूजर ने एक्स पर लिखा, कंधार विमान अपहरणकर्ताओं के मूल नाम इब्राहिम अतहर, शाहिद अख्तर, सनी अहमद, जहूर मिस्त्री और शाकिर हैं। अनुभव सिन्हा की वेब सीरीज 'आईसी 814' में अपहरणकर्ताओं को भोला, शंकर के रूप में दिखाया गया है। सिनेमाई तौर पर इस तरह से वाइटवॉशिंग की जाती है।''

# फैमिली शो 'अनुपमा' से अलग हुए अभिनेता सुधांशु पांडे

**मुंबई/एजेन्सी**

फैमिली शो 'अनुपमा' में वनराज शाह की भूमिका निभा रहे अभिनेता सुधांशु पांडे ने शो को छोड़ने का फैसला किया है। उन्होंने दर्शकों से मिले प्यार और समर्थन के लिए उनका आभार जताया है। इंस्टाग्राम के लाइव सेशन में सुधांशु ने अपने प्रशंसकों से बात करते हुए अपनी ओर से एक 'जरूरी घोषणा' की। इंस्टा पर सुधांशु के 2.2 मिलियन फॉलोअर्स हैं। वीडियो में सुधांशु कहते हैं, ''मैं एक डेली सोप के जरिए आपके घर पिछले चार साल से रोज पहुंच रहा हूं। इसमें मैं जो किरदार निभा रहा हूं इसके लिए मुझे दर्शकों का बहुत सारा प्यार और नाराजगी भी मिली, लेकिन वह नाराजगी भी एक तरह से प्यार ही है। अगर मेरे किरदार को लेकर कोई नाराजगी सामने नहीं आती तो मैं समझता कि मैं सही तरीके से अपना किरदार नहीं निभा रहा हूं।''

उन्होंने आगे कहा, मैं आप सभी को भारी मन से बताना चाहता हूं कि मैं अब 'अनुपमा' शो का हिस्सा नहीं हूं। रक्षा बंधन एपिसोड से मैं शो में काम नहीं कर रहा हूं। इस बात को इतने दिन बीत गए हैं, मैंने सोचा कि कहीं मेरी ऑडियंस मुझसे नाराज न हो, इसीलिए मैंने सोचा कि मेरी जिम्मेदारी बनती है कि मैं यह सब आपको खुद बताऊं।'' उन्होंने आगे कहा, मैं

अब शो 'अनुपमा' में वनराज शाह का किरदार नहीं निभा रहा हूं। मैं सभी के प्यार, सम्मान और समर्थन के लिए आभारी हूं। मैं इस तरह का निर्णय अचानक लेने के लिए माफी चाहता हूं।'' ''हमें जीवन में आगे बढ़ना ही पड़ता है। मैं चाहता हूं कि आप भविष्य में भी मेरे काम को ऐसे ही अपना प्यार देते रहें'' सुधांशु ने आखिर में कहा, मैं कई नए किरदार निभाऊंगा, एक ही भूमिका में आपको बोर नहीं करूंगा। कृपया भविष्य में भी मेरा समर्थन करते रहें।''

इस शो का निर्माण राजन शाही और दीपा शाही ने डायरेक्टर्स कट प्रोडक्शंस के बैनर तले किया है। इसमें रूपाली गांगुली, मदालसा शर्मा और गौरव खन्ना मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह स्टार प्लस पर प्रसारित होता है।

# कपूर खानदान में महिलाओं पर एक्टिंग करने पर रोक नहीं थी : करिश्मा कपूर

**मुंबई/एजेन्सी**

बॉलीवुड अभिनेत्री करिश्मा कपूर का कहना है कि कपूर खानदान में महिलाओं पर एक्टिंग करने पर रोक नहीं थी। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न के होमग्रोन डांस रियलिटी शो, इंडियाज़ बेस्ट डांसर - सीज़न 4, के जजेस करिश्मा कपूर, गीता कपूर और टेरेंस लुईस ,जाकिर खान के शो 'आपका अपना जाकिर' में पहुंचे।शो में एक सेगमेंट के दौरान जाकिर खान ने करिश्मा से पूछा कि क्या कपूर फैमिली में महिलाओं के काम करने को लेकर रोक थी? क्या आपको एक्टिंग में करियर बनाने की

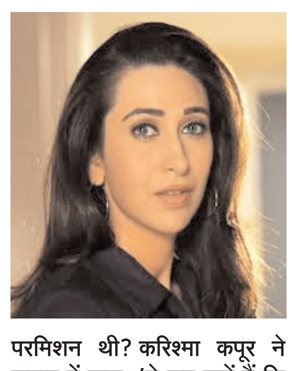

परमिशन थी? करिश्मा कपूर ने जवाब में कहा, 'ये सब बातें हैं कि मुझे परमिशन थी या नहीं थी। जब मेरी मम्मी की शादी हुई और नीतू आंटी की शादी हुई, उनकी च्वॉइस थी कि उनको घर बसाना था। बच्चे करने थे और करियर अच्छा हुआ था। उनकी च्वॉइस थी।उसी समय में शम्मी अंकल और शशि अंकल की पत्नियां जो थीं, गीता जी और जेनिफर आंटी उन्होंने काम किया शादी के बाद। तो ऐसी कुछ बात नहीं है कि कपूर फैमिली में शादी के बाद काम नहीं कर सकते या कपूर लड़कियां काम नहीं कर सकती. ऐसा कुछ नहीं था। मेरी एक्टिंग में दिलचस्पी थी तो इसीलिए एक्टिंग में आई। वैसे ही करीना और रणबीर भी आए, लेकिन रिद्धिमा को एक्टिंग में इंटरेस्ट नहीं था तो इसीलिए उसने दूसरा करियर ऑप्शन चुना। किसी को भी अपना करियर चुनने पर रोक नहीं थी।

# कार्तिक आर्यन की फिल्म 'भूल भुलैया-3' रिलीज को तैयार

**मुंबई/एजेन्सी**

अभिनेता कार्तिक आर्यन की आने वाली फिल्म 'भूल भुलैया-3' की घोषणा के बाद से ही दर्शक बेसब्री से उसका इंतजार कर रहे हैं। कार्तिक आर्यन एक बार फिर रूह बाबा के किरदार से फैन्स का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं। फिल्म के टीजर और रिलीज को लेकर एक्टर कार्तिक आर्यन ने बड़ा अपडेट दिया है। फिल्म भूल भुलैया-3 में कार्तिक आर्यन और तृप्ति डिमरी एक साथ नजर आएंगे। दर्शक इस फिल्म के टीजर का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अब एक्टर कार्तिक आर्यन ने फिल्म भूल भुलैया के टीजर को लेकर बड़ा खुलासा किया है। कार्तिक आयरन ने फैंस के साथ खुशखबरी शेयर की और कहा कि फिल्म का टीजर जल्द ही लॉन्च किया जाएगा।

एक्टर कार्तिक आर्यन की फिल्म 'भूल भुलैया-2' वर्ष 2022 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस फिल्म को दर्शकों से काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिला था। तभी से इस फिल्म के तीसरे पार्ट यानी 'भूल भुलैया-3' की डिमांड हो रही थी। कार्तिक आर्यन की फिल्म 'भूल भुलैया-3' इस दिवाली रिलीज होगी। भूल भुलैया-3 के बारे में बात करते हुए कार्तिक आर्यन ने कहा कि, 'मैं दिवाली पर भूल भुलैया-3 के स्क्रीन पर आने को लेकर काफी उत्साहित हूं।' हाल ही में एक इवेंट में एक्टर कार्तिक आर्यन ने फिल्म भूल भुलैया-3 को लेकर कहा कि फिल्म का पोस्ट-प्रोडक्शन लगभग पूरा हो चुका है। उन्होंने यह भी कहा कि टीज़र देखने के लिए प्रशंसकों का इंतज़ार जल्द ही खत्म हो जाएगा। कार्तिक ने कहा, फिल्म का टीजर कुछ ही दिनों में फैंस के सामने आ जाएगा। फिल्म दिवाली पर रिलीज हो रही है, इसलिए मैं काफी उत्साहित हूं। टीजर बहुत अच्छा बनाया गया है। कार्तिक आर्यन ने कहा, पूरी टीम ने फिल्म देखी है और हर कोई इसे लेकर बहुत खुश और सकारात्मक है। फिल्म को अंतिम रूप दिया जा रहा है और भूल भुलैया- 3 का टीज़र, ट्रेलर और गाने जल्द ही सामने आएंगे। पहले फिल्म का टीज़र होगा कुछ ही दिनों में आप सभी के लिए ट्रेलर, गाने और फिर फिल्म उपलब्ध होगी।'' कार्तिक के इस अपडेट के बाद इस फिल्म को लेकर फैंस का उत्साह चरम पर है।

# मुझे इंदिरा गांधी के जीवन से मिला सबसे बड़ा सबक है : कंगना रनौत

**मुंबई/एजेन्सी**

किसान आंदोलन पर अपने बयान को लेकर सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत इस समय सुर्खियों में हैं। ऐसे में कंगना की आने वाली फिल्म 'इमरजेंसी' भी चर्चा में है। इस फिल्म की कहानी आपातकाल के दौरान घटनाओं पर आधारित है। कुछ सिख संगठन इस फिल्म पर प्रतिबंध लगाने की भी मांग कर रहे हैं। कंगना रनौत के बयान के बाद अब इस फिल्म को लेकर दर्शकों उत्सुकता बढ़ गई है। एक मीडिया को दिए इंटरव्यू में कंगना ने बताया कि उन्होंने इंदिरा गांधी से क्या सीखा।

अभिनेत्री कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी 6 सितंबर को रिलीज हो रही है। फिलहाल जब जम्मू-कश्मीर और हरियाणा विधानसभा चुनाव को लेकर उनके एक सियासी माहौल गर्म है। आपातकाल पर आधारित यह फिल्म राजनीतिक जगत में चर्चा का विषय बनी हुई है। इसी पृष्ठभूमि में कंगना रनौत की प्रतिक्रियाओं के भी मायने निकाले जा रहे हैं। इंटरव्यू में कंगना रनौत ने इस फिल्म को लेकर अपनी स्थिति साफ की है। कंगना ने कहा कि, मैंने इस फिल्म के लिए बहुत मेहनत की है। मुझे पता था कि इसमें इतना समय लगेगा। मैं कुछ ऐसा देना चाहती थी, जो न केवल मनोरंजन के लिए हो बल्कि हमारी पीढ़ी के लिए भी हो। आपात स्थिति में हम हमेशा एकजुट रहते हैं।' आजकल संविधान पर खूब चर्चा हो रही है। आपातकाल के दौरान संविधान की हत्या कर दी गयी। यह तो हम सालों से सुनते आ रहे हैं, लेकिन हम वास्तव में नहीं जानते कि तब क्या हुआ।

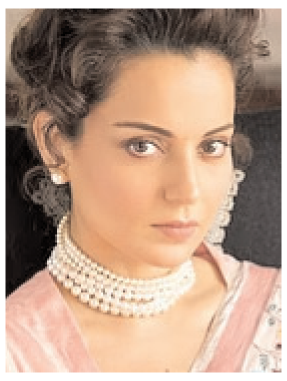

कंगना ने कहा कि, एक कलाकार के रूप में मेरा इरादा अलग था। यह समझा जा सकता है कि कोई आपात स्थिति उत्पन्न हो गई है, कोई गैरकानूनी कार्य हो गया है, सब कुछ असंवैधानिक तरीके से हो गया है, आदि। फिर वास्तव में क्या हुआ। इतना लोकप्रिय नेता...हममें से कोई भी हमारे अहंकार, शक्ति का शिकार हो सकता है, यह मेरे लिए इंदिरा गांधी के जीवन से एक बड़ा सबक है।

फिल्म 'इमरजेंसी' इंदिरा गांधी का मुख्य किरदार निभाने वाली कंगना रनौत ने कहा कि इंदिरा गांधी एक ऐसी शख्सियत हैं, जिनसे जितना प्यार किया जाता था, उतना ही गुस्सा भी किया जाता था। उन्हें अभिनव चण्डी, दुर्गा तथा अन्य विशेषण दिए गए। आज कुछ लोग मोदी को राम का अवतार मानते हैं। लोग तब इंदिरा गांधी को दुर्गा का अवतार मानते थे। इसलिए, यह पहली बार नहीं है कि मोदी को राम का अवतार माना गया है, लेकिन इन सबके बावजूद इंदिरा गांधी देश के ही खिलाफ चली गईं। यह मेरे लिए बहुत रोमांचक था।

उन्होंने कहा कि, उनके करीबी व्यक्ति पुपुल जयकर ने इंदिरा गांधी की जीवनी लिखी है। इसमें इंदिरा गांधी ने उस दौरान अपने गुरु कृष्णमूर्ति से आपातकाल को लेकर हुई बातचीत के बारे में बताया है। कृष्णमूर्ति ने तब इंदिरा गांधी से कहा था कि आप इस आपातकाल को खत्म करें। यह तो तुम बहुत बड़ा पाप कर रही हो।

तो इंदिरा गांधी ने उनसे कहा कि मैं एक अत्यंत क्रूर राक्षस पर सवार हूं। मैं अब नहीं रुक सकती। यदि मैं रुकी तो यह राक्षस मुझे खा जायेगा। इससे मुझ पर बहुत प्रभाव पड़ा। मुझे लगा कि यह एक बात है, जो देश को, आने वाली पीढ़ी को, हमारे आने वाले नेताओं को पता होनी चाहिए'।' कंगना रनौत ने कहा कि एक कलाकार के तौर पर मैं इस बात से इनकार नहीं कर सकती कि इंदिरा गांधी ने इस देश को क्या दिया है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | मंगलवार | 03-09-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित मुनिश्री मलयप्रभसागरजी ने पर्युषण पर्व के तीसरे दिन कल्पसूत्र का वांचन करते हुए कहा कि कल्पसूत्र में साक्षात जिनवाणी वर्णित है।

# 'संस्थाएं धर्म के अनुसार चले, मनमानी से नहीं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। स्थानीय नजरबाद स्थित बुद्धि वीर वाटिका के विशाल पंडाल में पर्युषण महापर्व के दूसरे व तीसरे दिन के कर्तव्यों की विवेचना करते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने वर्तमान समाज की विषमताओं पर गहरा प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यदि कोई पैसे देकर, बिना परीक्षा के अथवा घपला करके डॉक्टर, वकील या इंजीनियर बन जाये तो उसका विश्वास नहीं किया जा सकता। उसे योग्य नहीं माना जा सकता।

उसी तरह पैसे देकर अथवा बिना ज्ञान और बिना परिपक्वता के, कोई अयोग्य व्यक्ति धार्मिक संस्था का ट्रस्टी कैसे बन सकता है? यह सरासर गलत है। आज देश भर में हजारों धार्मिक संस्थाओं में अयोग्य ट्रस्टियों का बोलबाला हैं। धर्म के अनुसार वे नहीं चलते, उनकी मनमानी के अनुसार धर्म को चलाया जा रहा है। इस प्रकार धार्मिक संस्थाओं के साथ और आखिरकार समाज के साथ न्याय नहीं हो सकता।

आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने समझाया कि धार्मिक संस्थाओं के ट्रस्टी बनने और प्रमाणिकता पूर्वक उन संस्थाओं का संचालन करने के लिये जैन धर्मशास्त्रों में विस्तार से मार्गदर्शन दिया गया है। शास्त्रों के अनुसार संस्थाओं का संचालन करने वाले ट्रस्टी अद्भुत पुण्य का अनुबंध कर सकते हैं और शास्त्र आज्ञाओं के खिलाफ संस्थाओं के ट्रस्टी अयोग्य व अपराधी माने गए हैं। धर्मशास्त्रों के अनुसार ट्रस्टियों के पास धीरता, गंभीरता, परिपक्वता, उदारता, विशिष्ट कुशलता, प्रमाणिकता, धर्म व समाज के प्रति पूर्णनिष्ठा व समर्पण भावना होनी चाहिए। इनके अतिरिक्त वे धर्म से संबंधित विधि-निषेधों और अपवाद तथा उत्सर्ग मार्ग के जानकार होने चाहिए। वे साधु-साध्वी और श्रावक-श्राविकाओं के प्रति सहिष्णु होने चाहिये।

वे उनके शोषक नहीं, पोषक होने चाहिए। जैन परंपरा में आचार्य के मार्गदर्शन में ही संस्थाओं के संचालन का अधिकार है। कल्याण मित्र वर्षावास समिति के कांतिलाल चौहान ने बताया कि मंगलवार को जैन आगम शास्त्र कल्पसूत्र की पांच पूजाएं होंगी। फिर जैनाचार्य के गुरुपूजन के बाद उन्हें कल्पसूत्र अर्पित किया जाएगा। उसके बाद कल्पसूत्र के प्रवचन प्रारंभ होंगे व चार दिन में आठ प्रवचन होंगे।

# तीज महोत्सव पर रही राजस्थानी सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के पारीक समाज कर्नाटक की महिलाओं ने रविवार को तीज महोत्सव मनाया। ऋषि पाराशर के चित्र के समक्ष महिला सदस्याओं ने दीप प्रज्वलित कर स्वागत गीत गाया तथा अनेक राजस्थानी सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए। कार्यक्रम में सभी सहयोगियों का सम्मान किया गया तथा महिला व बच्चों ने कार्यक्रम व अन्य प्रतियोगिताओं का आनंद उठाया। तीज महिला समिति की सदस्याएं पदमा जोशी, रुकमणी जोशी, सुरेखा जोशी, भारती पारीक, अंजू पारीक, एकता पारीक ,सरिता जोशी, शोभा जोशी ने व्यवस्थाओं में सहयोग दिया। इस मौके पर पारीक समाज के अध्यक्ष पृथ्वीराज पारीक, मंत्री रामअवतार जोशी सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे। मंच संचालन पदमा जोशी व एकता पारीक ने किया।

# अपने स्वयं के भीतर उतरने का समय है पर्युषण महापर्व : मुनिश्री मलयप्रभसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित मुनिश्री मलयप्रभसागरजी ने पर्युषण पर्व के तीसरे दिन कल्पसूत्र का वांचन करते हुए कहा कि कल्पसूत्र में साक्षात जिनवाणी वर्णित है। दशासूत्र स्कंध का ही एक भाग कल्प सूत्र है। पर्युषण महापर्व के दिनों में हमें अपने भीतर की ओर उतरना है। हमारे विषय वासनाओं को सीमित संकुचित करना है। हमारे विषय कषायों को बाहर निकलना है। हमें कछुए की भांति अपनी इंद्रियों का गोपन कर लेना है। हमारी आत्मा का स्वभाव उर्ध्वगामी है। बीता हुआ समय वापस नहीं आने वाला है, हमें इस समय का सदुपयोग करके अपनी आत्मा को हल्का करना है। अब हमें मोह रूपी नींद से जागना है। अभी तक हमने श्रावकों के वार्षिक और पर्युषण के कर्तव्यों के बारे में जाना है। अभी कल्प सूत्र के माध्यम से साध्य, साधक और साधन को जानना है। कल्प सूत्र के तीन भाग हैं, पहले जिन चरित्र, दूसरा पट्टावली और तीसरा स्थिरावली, जिसमें जिन चरित्र में परमात्मा महावीर, आदिनाथ, पार्श्वनाथ और नेमिनाथ के जीवन चरित्र का वर्णन है। कल्पसूत्र का वांचन संघ में परमात्मा महावीर के निर्वाण के 980 वर्ष पश्चात प्रारंभ हुआ। इसमें हमें प्रेरणा मिलती है कि कठिन से कठिन परिस्थितियों में से बाहर निकालकर हमें मोह, राग और द्वेष से दूर होना है। हमें परमात्मा की पूजा करते समय यही विचार करना है कि हमारी आत्मा के ऊपर आए कर्मों के आवरण को हटाना है और हमें भी परमात्म स्वरुप बनना है।

ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी ने बताया कि प्रवचन के पश्चात कल्पसूत्र गौतमकुमार मोहनलाल बागरेचा परिवार के निवास स्थान पर चतुर्विध सकल संघ के साथ पहुंचाए गए जहां श्रावकों के कर्तव्य में ज्ञान की पूजा और परमात्मा की भक्ति स्वरूप रात्रि जागरण का आयोजन किया गया। महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने बताया कि परमात्मा महावीर का पालना अपने घर ले जाकर झूलाने का चढ़ावा ट्रस्ट मंडल के तत्वावधान में मंगलवार प्रातः प्रवचन में बोला जाएगा। प्रवक्ता अरविन्द कोठारी ने अपने विचार व्यक्त किए।

ललित डाकलिया ने बताया कि सोमवार को महोपाध्याय देवचन्द्रजी महाराज की पुण्यतिथि पर विशेष गुणानुवाद किया गया जिन्होंने विश्व की सर्वप्रथम परमात्मा की स्नात्र पूजा की रचना के साथ परमात्मा के अनेक स्तवनों की रचना की।

# स्वाध्याय से होता है ज्ञानावरणीय कर्मों का क्षय : साध्वीश्री उदितयशा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गांधीनगर तेरापंथ भवन में तेरापंथ सभा के तत्वावधान में साध्वीश्री उदितयशाजी की निश्रा में पर्युषण पर्व का द्वितीय दिवस स्वाध्याय की प्रेरणा के रूप में मनाया गया। साध्वीश्री ने कहा कि इस पर्व की आराधना के लिए अपनी शक्ति का नियोजन करे। साध्वीश्री ने एक दो माह के शिशु का दृष्टांत सुनाया। साध्वी भव्ययशाजी ने स्वाध्याय की महत्ता बताते हुए कहा कि स्वाध्याय का फल है ज्ञानावरणीय कर्म का क्षयोपशम।अच्छी पुस्तक पढ़ने से भी हमारे ज्ञानावरणीय कर्म का क्षयोपशम होता है। आगम सूत्रों की अनुप्रेक्षा, प्रवचन का श्रवण आदि भी स्वाध्याय के साधन बनते है। मंत्रों की आराधना करने से हमारे ज्ञान की वृद्धि हो सकती है। साध्वी संगीतप्रभाजी ने भगवान ऋषभ के पूर्व भवों की कथा सुनाई। साध्वी भव्ययशाजी व शिक्षाप्रभाजी ने स्वाध्याय आधारित गीत की प्रस्तुति दी। तेयुप मंत्री राकेश चोरड़िया ने परिषद के आयामी की जानकारी दी। सभा मंत्री विनोद छाजेड़ ने पर्युषण पर्व के दौरान होने वाले आध्यात्मिक आयोजनों के बारे में बताया। इस अवसर पर सभा अध्यक्ष पारसमल भंसाली के साथ मूलचंद नाहर, गौतमचंद मुथा, ललित मांडोत, सुभाष पोखरना, विनय बैद, विमल धारीवाल, रिजु डूंगरवाल, ज्योति संचेती, देवराज रायसोनी आदि उपस्थित थे।

# गुरु चरणों में पूर्ण समर्पित हो जाना ही 'वंदना' है : साध्वीश्री सिद्धप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ सभा विजयनगर के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री सिद्धप्रभाजीके सान्निध्य में अर्हम भवन में पर्युषण पर्व दूसरा दिन स्वाध्याय दिवस के रूप में मनाया गया। साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी ने वंदना के महत्व को बताते हुए कहा कि भगवान ने 6 आवश्यक कार्य बताए हैं जिनमें तीसरा आवश्यक है वंदना। वंदना का अर्थ है मन, वचन, काया द्वारा पूर्ण समर्पण रूप से गुरु चरणों में वंदन करना, झुकना। विभिन्न संप्रदायों में वंदना की अनेक विधियां बताई गई है। जैन धर्म में भाव वंदना का बहुत महत्व है। यह वंदना कर्मों की श्रृंखला को तोड़ते हुए भव भ्रमण में कमी लाती है। साध्वीश्री दीक्षाप्रभाजी ने कहा कि हेय, ज्ञेय और उपादेय के ज्ञान करने का साधन है स्वाध्याय। हम कुछ भी पढ़े, सुने उसे अपने आप से जोड़े जिससे हमारी चेतना का जागरण होगा और तभी हमारा स्वाध्याय सार्थक हो सकेगा। भगवान ने स्वाध्याय के पांच आयाम बताएं हैं वचना, प्रच्छना, परिवर्तना, अनुप्रेक्षा और धर्म कथा। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी में कहा गया है कि यदि कोई व्यक्ति प्रतिदिन 30 मिनट का अध्ययन करें तो उसे कई बीमारियों से छुटकारा मिल सकता है, इसलिए हम स्वाध्याय द्वारा अपने भीतर की गहराई में उतरकर चेतना की लौ जलाने का प्रयास करें।

साध्वीश्री आस्थाप्रभाजी ने भगवान महावीर के विभिन्न भवों का वर्णन करते हुए बताया कि किस प्रकार नयसार के भव में भगवान ने शुद्ध साधुओं को सुपात्र दान देकर तथा संतों की सेवा कर पहली बार सम्यक की प्राप्ति की। अध्यक्ष मंगल कोचर ने सभी का स्वागत करते हुए आगामी कार्यक्रमों एवं सभा द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी।

# 'संत मुनि हमेशा हमारे लिए आदर्श और अनुकरणीय'

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में पर्युषण पर्व प्रसंग पर महावीर भवन में परंपरागत अंतगड दशा सूत्र का वाचन और विवेचन करते हुए स्वाध्यायी अभयकुमार बांठिया ने कहा कि हमें प्रभु वाणी सुनने का अवसर नहीं चूकना चाहिए। अनंत पुण्य का जब संचय होता है तभी हमे जिनवाणी के प्रति श्रद्धा भाव आते हैं और आगम के प्रत्येक सिद्धांत शास्वत होते हैं। आहार के लिए संत मुनियों का अपने आंगन में आगमन अतिथि सत्कार का श्रेष्ठ अवसर होता है। हम खूब अहो भाव से महापुरुषों का उनके सामने कुछ कदम जा कर अगवानी करें। विनय भक्ति करें। नमस्कार वंदन कर उनके संयम अनुकूल शुद्ध आहार उपलब्ध कराने का लाभ लें। इन मुनियों ने संसार की समृद्धि का त्याग किया है। परिवार का मोह छोड़ा है। आसक्ति को खत्म किया है और मात्र साधना में स्वयं को समर्पित किया है, इसलिए संत मुनि हमारे आदर्श और अनुकरणीय होते हैं।

## कल्पसूत्र वांचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के चिकपेट स्थित आदिनाथ जैन श्वेताम्बर संघ में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री विज्ञानप्रभसूरीश्वरजी, मुनिश्री निर्मोहप्रभविजयजी व साध्वीश्री अरिहंतप्रभाश्री जी की निश्रा में चिकपेट आदिनाथ दादा के दरबार में पर्युषण महापर्व पर जैन ग्रंथ श्री कल्पसूत्र घर ले जाने का लाभ लक्ष्मीदेवी-जेवीन, ओम जैन परिवार ने प्राप्त किया। प्रवचन के पश्चात कल्पसूत्र कल्पतरु अपार्टमेंट पहुंचाया गया। विजय लब्धिसूरी जैन संगीत मंडल द्वारा भक्ति भावना की गई। गुरुदेव ने पर्युषण के कर्तव्य और वार्षिक कर्तव्य पर श्रावकों को जागृति प्रदान की।

# अहिंसा, प्रीति और क्षमा का प्रतीक पर्व है पर्युषण : विनयमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के गणेश बाग शिवाजीनगर में चातुर्मासार्थ विराजित शिविराचार्य विनयमुनिजी खींचन ने कहा कि पर्युषण पर्व जैन धर्म का महान पवित्र पर्व है। अहिंसा प्रीति और क्षमा का प्रतीक पर्व है। आठ दिनों तक संयमित-समता और साधनामय जीवन जीने है। वर्षभर में जिन से भी वैर-विरोध क्रोध किये उसका खमतखामणा 'उनके घर जाकर अन्तर्मन से करते है।

पर्व का विशेष महत्व भ्रातृत्व भावना 'खामेमि' सव्वे जीवों से करते हैं। क्षमा पर्व का अन्तिम दिन है। क्षमा धर्म तो आहार त्याग के तप से बड़ा सच्चा क्षमा आभ्यन्तर तप है। क्षमा देने-लेने से मन का मैल धुल जाता है। सन्तोष पैदा होता है। आर्तध्यान रौद्रध्यान का रुपान्तरण धर्मध्यान के चिन्तन में चला जाता है।

इस मौके पर बड़ी संख्या में विभिन्न संघों के सदस्य उपस्थित थे।सायं कालीन प्रतिक्रमण में अनेकों अनेक लोगों ने भाग लिया। संघ प्रवक्ता राजू सकलेचा ने सभी का स्वागत किया। संघ महामंत्री संपत राज मांडोत ने आभार व्यक्त किया।।

# 'जैन धर्म का शाश्वत आगम है कल्पसूत्र'

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के महालक्ष्मीलेआउट स्थित चिंतामणि पार्श्वनाथ मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री नयदर्शाश्रीजी ने महापर्व के तीसरे दिन कहा कि श्रावक श्राविकाओं को अपने कर्तव्योह को समझाते हुए निभाना चाहिए।

उन्होंने कल्पसूत्र की महिमा बताते हुए उसे जैन धर्म का शाश्वत आगम बताया। कल्पसूत्र में दुनिया की सभी जिज्ञासाओं का समाधान उपलब्ध है। कल्पसूत्र घर ले जाने के लाभार्थी शाह सरदारमल निलेशकुमार लोढ़ा के घर कल्पसूत्र पहुंचाया गया। लोढ़ा परिवार से सकल संघ का स्वागत किया।

# संतश्री गणिनाथ जन्मोत्सव पर आयोजित हुआ काव्य पाठ

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के बेगूर स्थित साई मंदिर परिसर संत शिरोमणि बाबा गणिनाथ जी जन्मोत्सव का रंगारंग कार्यक्रम और काव्य गोष्ठी के साथ मनाया गया। बाबा गणिनाथ मदेशिया सेवा ट्रस्ट के ट्रस्टी ओमप्रकाश गुप्ता, सुभाषचन्द्र गुप्ता, डॉ रंजीत कुमार, संजीतकुमार गुप्ता, ललन गुप्ता, श्रवणकुमार गुप्ता, रंजीत कुमार ने समारोह के आयोजन में महती भूमिका निभाई।। श्रवण गुप्ता, मुकेश गुप्ता, डॉ अशोक प्रसाद, डॉ रंजीत कुमार और डॉ सुनीता साह ने सर्वप्रथम बाबा गणिनाथ का विभिन्न प्रकार के अभिषेक व पूजन किए। सभी भक्तगण ने बहुत उत्साह और निष्ठा से बाबा गणिनाथ का जन्मोत्सव मनाया।

जन्मोत्सव के मौके पर शहर के विभिन्न साहित्यकारों ने काव्य पाठ किया। मंच का संचालन डॉ रजीत कुमार ने किया। संस्था की ओर से सभी साहित्यकारों व गणमान्य लोगों का सम्मान किया गया। संजीत कुमार गुप्ता और नीलेश गुप्ता ने बच्चों को उपहार दिए।

# हाईटेक एक्स सर्विसमैन संगठन के विस्तार हेतु महत्वपूर्ण बैठक संपन्न

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के हाईटेक एक्स सर्विसमैन संगठन के सदस्यों ने संगठन के विस्तार और भविष्य की योजनाओं को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। संगठन के संस्थापक अध्यक्ष अनिलसिंह सिकरवार ने स्थापना से लेकर अब तक की यात्रा पर विस्तार से चर्चा की। सिंह ने संगठन द्वारा किए गए महत्वपूर्ण कार्यों और समाज में इसके योगदानों का वर्णन किया, जिसे सभी सदस्यों ने सराहा। इस बैठक में पुराने और नए सदस्यों ने हिस्सा लिया तथा सभी ने संगठन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। बैठक में विचारों का आदान-प्रदान हुआ। बैठक के उपरांत एक मिलन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें उपस्थित सभी पूर्व सैनिक परिवारों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में भूतपूर्व सैनिक विंग कमांडर आशिष सिंह, कैप्टन दानसिंह, अनिलसिंह, शमशेर सिंह, एम. प्रकाश, टी. रामा मूर्ति, श्रीनिवास सीके, चंद्रशेखर सिंह, प्रमोदकुमार भास्करन आदि अनेक सदस्य उपस्थित थे।

## अमावस्या प्रसादी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मैसूर बैंक सर्कल स्थित हनुमान मंदिर के प्रांगण म गुरु गणेश सेवा समिति कर्नाटक द्वारा 79वीं अमावस्या महाप्रसादी का वितरण किया गया जिसमें हजारों जरुरतमंदों को भोजन का वितरण किया गया। महाप्रसादी के मुख्य लाभार्थी रंगलाल पारसीबाई नरेंद्रकुमार पगारिया परिवार सहित समिति के चेयरमैन गौतमचंद धारीवाल, अध्यक्ष किरणचंद बोहरा,उपाध्यक्ष अशोकचंद कोठारी, कोषाध्यक्ष मनोहरलाल बाफना, महामंत्री उगमराज चौपड़ा, सहमंत्री महेंद्रकुमार मेहता आदि ने प्रसादी वितरण में सहयोग दिया।

# मोक्ष पाने का सीधा रास्ता है सरलता : राजेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शांतिनगर स्थित लुणावत जैन स्थानक भवन में राजेशमुनिजी ने जैन धर्म के सबसे बड़े महापर्व पर्युषण के दूसरे दिन सरलता को मोक्ष पाने का सीधा रास्ता बताया। मुनिश्री ने कहा कि जीवन में सरल बन जाओ। समभाव से समता रूपी रस को पी लो तो मोक्ष की मंजिल अपने आप मिल जाएगी। हमें बनावटी भाव के साथ नहीं, बल्कि सरलता से, स्वभाव के साथ जीना होगा। तभी हमारी आत्मा मोक्ष नगरी में स्थाई वास कर सकेगी।

मुनिजी ने कहा कि जब तक मोक्ष की प्राप्ति नहीं हो जाती तब तक हमारा पुण्य ही हमारा मित्र बनकर रहता है और पाप शत्रु के समान कार्य करता है। अतः हमें पुरुषार्थ करना है ताकि आत्मा के शत्रुओं को खत्म किया जा सके।

मोक्ष प्राप्त करना हमारी आत्मा का स्वभाव है। हमें सच्चे भक्त बनकर भगवान की भक्ति की राह में गुरु के सानिध्य से आत्मा में लीन रहना है। तपस्या को कर्म निर्जरा का महत्वपूर्ण माध्यम बताते हुए मुनिश्री ने कहा कि तपस्या के लिए शरीर निरोगी होना चाहिए और आत्मबल भी ऊंचा होना चाहिए।

हमें कषाय रूपी गंदी हवा से छुटकारा पाना है तो पुण्य और मैत्री रूपी शुद्ध हवा से शरीर को ताजा रखना होगा। ऋषभमुनि जी ने आगम वचन कर भाव से भगवान की राह पर चलने का संदेश दिया। संचालन मंत्री छगनमल लुणावत ने किया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com